संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 317
पृष्ठ 8
शुक्रवार
08 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- १६ साल से कम उम्र के बच्चों के...

विचार- दो जुझारू नेताओं का निधन

खेल- भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय...

भारत अपने किसानों, पशुपालकों, मछुआरों के हित के साथ कभी समझौता नहीं करेगा : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ अमेरिका में व्यापारिक कार्रवाई के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को साफ–साफ कहा कि भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। श्री मोदी प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और हरित क्रांति के जनक स्वर्गीय डॉक्टर एम् एस् स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई बहनों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, खेती पर खर्च कम करने और उनकी आय के नए स्रोत बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। श्री मोदी का यह बयान ऐसे समय में और भी महत्त्वपूर्ण हो गया है जबकि अमेरिका ने भारत के साथ व्यापार समझौते की वार्ता के बीच ही 25 प्रतिशत की दर से आयात शुल्क लगाने घोषणा के बाद, शुल्क को बढ़ा कर 50 प्रतिशत तक करने का ऐलान किया है। विदेश मंत्रालय, अमेरिका के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और तर्कहीन करार देते हुए कह चुका है कि भारत अपने हितों की रक्षा करेगा। श्री मोदी ने डॉ़ स्वामीनाथन शताब्दी समारोह के अवसर पर ''अन्न और शांति के लिए डॉक्टर एम् एस् स्वामीनाथन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार'' प्रारंभ करने की भी घोषणा की। पहला पुरस्कार नाइजीरिया के एक वैज्ञानिक को दिया गया है। श्री मोदी ने उपनिषदों से वर्णित एक सूक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि अन्न की अवहेलना नहीं होनी चाहिए। अन्न ही प्राण हैं, अन्न जीवन का आधार है। अगर दुनिया में भोजन का संकट हुआ वैश्विक शांति के लिए संकट उत्पन्न हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने भारतीय वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे भारत में हरित क्रांति लाने वाले डॉक्टर स्वामीनाथन के योगदान से प्रेरणा लेकर अब भारत की पोषण सुरक्षा के लिए कार्य करें। वैज्ञानिक जैविक कृषि और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए सूखे और बढ़ी उष्णता की स्थिति में भी अच्छी उपज देने वाली फसलों के विकास पर ध्यान केंद्रित करें। श्री मोदी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अन्य पेशे के लोगों के साथ साथ कृषि वैज्ञानिकों को भी बड़ी भूमिका निभानी है। उन्होंने महान वैज्ञानिक डॉ़ स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि देते हुए कहा मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि मेरी सरकार को उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का अवसर मिला।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में ट्रक हादसे में चार किशोरों की मौत

गढ़चिरौली, एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में आज एक ट्रक ने छह किशोरों को कुचल दिया जिसमें से चार की मौत हो गई एवं अन्य दो को नागपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया यह हादसा गढ़चिरौली–आर्मोरी मार्ग पर आज सुबह 5.10 बजे कटली गाँव से लगभग एक किलोमीटर दूर हुआ, जहां ये किशोर सड़क किनारे एक जगह एकत्र होकर व्यायाम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सभी छह किशोर हमेशा की तरह सुबह की सैर पर गए थे और व्यायाम कर रहे थे, तभी एक अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में दो किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य ने गढ़चिरौली के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृत बच्चों के नाम टिंकू नामदेव भोईर (14) , तन्मय बालाजी मानकर (16) दूषण दुर्योधन मेश्राम (14) और तुषार राजेंद्र मरभाटे (14) सभी कटली निवासी थे।

चुनाव आयोग ने गलत ढ़ंग से जुड़वाए लाखों मतदाता : राहुल

● डुप्लीकेट वोटर्स, फर्जी पते और बदलता जीत का मार्जिन...

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन में गड़बड़ियों पर प्रेजेंटेशन देकर चुनाव आयोग पर करारा हमला बोला. राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की एक विधानसभा और कर्नाटक की एक लोकसभा सीट की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि दोनों ही राज्यों की वोटर लिस्ट में संदिग्ध वोटर मौजूद हैं. राहुल गांधी कहा कि महाराष्ट्र में 5 महीने के अंतर में 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए हैं. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे देखने के बाद हमारा शक पुख्ता हुआ कि चुनाव में चोरी हुई है. मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट नहीं देने से हमें भरोसा हुआ कि चुनाव आयोग ने बीजेपी के साथ मिलकर महाराष्ट्र के चुनाव की चोरी की है. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मतदाता सूची में जोड़े गए हजारों–लाखों नामों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन न करते हुए वोट की चोरी की जा रही है. उन्होंने कई आंकड़ों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि आयोग की विश्वसनीयता संदेह के घेरे में है. वोट चोरी के लिए राहुल गांधी ने 5 सवाल खड़े किए हैं, जिसके उन्हें आंकड़े दिखाए. कांग्रेस सांसद राहुल ने कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल सीट को सैंपल बनाते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए. राहुल ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे के लिहाज से हमें 16 लोकसभा सीटों पर जीत मिलती है, लेकिन 2024 में हमें सिर्फ 9 सीटों पर जीत मिली. हमने इन 7 हारी हुई सीटों में से एक लोकसभा सीट पर जांच–पड़ताल की, वो सीट थी बेंगलुरु सेंट्रल थी. बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आने वाली महादेवपुरा सीट पर राहुल गांधी ने एक 1 लाख वोट चोरी का आरोप लगाया. कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा की वोटर लिस्ट स्क्रीन पर दिखाते हुए राहुल ने कहा कि यहां के 6.5 लाख वोट में से 1 लाख वोटों की चोरी हुई है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिसूचित

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाये गये हैं। आयोग ने कहा है कि इस चुनाव प्रक्रिया के संबंध में किसी भी तरह की पुछताछ राज्यसभा महासचिव के कार्यालय (कमरा नं. राज्यसभा 08, ग्रांउड फ्लोर, संसद भवन) मे 3.30 से 4.30 के बीच सोमवार से शनिवार को की जा सकती है (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर)। नामांकन भरने के लिए प्रत्याशी को 15,000 रुपये का शुल्क जमा करना होगा। शुल्क नामांकन पत्र के साथ रिटर्निंग ऑफिसर को दिया जा सकता है या उससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक या सरकारी ट्रेजरी में जमा कराकर उसकी रसीद प्राप्त की जा सकती है। नामांकन पत्र कार्यदिवस में दिन में 11 बजे से तीन बजे तक संसद भवन के कमरा नं. आरएस–28 में जमा किया जा सकता है।

अमेरिका की धुन पर नाच रहे हैं पीएम मोदी, ट्रंप के टैरिफ को लेकर तेजस्वी यादव का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बीच, राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। यादव ने इस मुद्दे पर मोदी की चुप्पी की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री कमज़ोर हो गए हैं। उन्होंने उन पर अमेरिका के इशारों पर नाचने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए, राजद नेता ने कहा कि आप सभी देख रहे हैं कि इस देश में सरकार कैसे काम कर रही है। ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया। ट्रंप 28 बार कह चुके हैं कि उन्होंने युद्धविराम कराया। प्रधानमंत्री ने अभी तक अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। मोदी पर तंज कसते हुए राजद नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अभी तक यह नहीं कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री इतने कमज़ोर हो गए हैं कि अमेरिका के इशारों पर नाच रहे हैं। 50 प्रतिशत टैरिफ से देश को बहुत नुकसान होगा, और कोई इस पर बोल नहीं रहा है। सब चुप हैं। ये लोग देश को नुकसान पहुँचाएँगे और फिर बिहार जाकर कहेंगे, श्देखो, हम विश्वगुरु बन गए हैं। 6 अगस्त को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ट्रंप ने इस वृद्धि के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति संबंधी चिंताओं के साथ–साथ अन्य प्रासंगिक व्यापार कानूनों का हवाला दिया और दावा किया कि भारत द्वारा रूसी तेल का आयात, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक ''असामान्य और असाधारण खतरा'' है। इस आदेश के बाद, भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा। प्रारंभिक शुल्क 7 अगस्त से प्रभावी होगा, जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिनों के बाद लागू होगा और अमेरिका में आयातित सभी भारतीय वस्तुओं पर लगाया जाएगा, सिवाय उन वस्तुओं के जो पहले से ही पारगमन में हैं या विशिष्ट छूट प्राप्त हैं।

संभल में 546 करोड़ की सौगात देकर सीएम योगी बोले–

'अब माफिया जेलों में हैं या फिर ऊपर...'

● एक जिला एक उत्पाद योजना से हर जिला आत्मनिर्भर

● नहीं रुकेगी कांवड़ यात्रा, हर थाने में मनेगी जन्माष्टमी

संभल, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को संभल को 546.25 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 108 कार्यों का शिलान्यास और 113 परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जिनमें राजकीय महाविद्यालय का शिलान्यास भी शामिल है। मुख्यमंत्री मुरादाबाद से हेलीकॉप्टर द्वारा संभल पहुंचे। उनका हेलीकॉप्टर गांव आनंदपुर स्थित नवीन पुलिस लाइन में उतरा, जहां से वह कार द्वारा जनसभा स्थल पहुंचे। सभा स्थल पर मुख्यमंत्री का स्वागत कल्कि भगवान की तस्वीर भेंटकर किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवीन रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण भी किया। उनके आगमन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की थी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पूरे कार्यक्रम के दौरान मुस्तैद नजर आए। इससे एक दिन पहले मुरादाबाद में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों में प्रदेश के हर जिले में एक माफिया होता था। अब माफिया जेलों में हैं या ऊपर पहुंच गए हैं। अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज हैं। उन्होंने कहा कि हर मंडल मुख्यालय पर विश्वविद्यालय है। एक जिला एक उत्पाद योजना से हर जिला आत्मनिर्भर बन रहा है। सीएम ने कहा कि जिनके पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है, उन्हें ही विकास से दिक्कत है। 2017 से पहले मुरादाबाद के उद्यमी परेशान थे। यहां के उत्पाद वैश्विक बाजार में दम तोड़ रहे थे। आज व्यापारियों को बेहतर कानून व्यवस्था और सरकार की पारदर्शी नीतियां मिलीं तो निर्यात 11000 करोड़ तक पहुंच गया है। बुद्धि विहार स्थित संविधान साहित्य पार्क और हनुमान वाटिका देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों की प्रशंसा की। कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन और विभिन्न परियोजनाओं से मुरादाबाद की तस्वीर बदल रही है। संविधान पार्क को लेकर उन्होंने कहा कि छात्रों को वहां जरूर जाना चाहिए और बाबा साहेब के संविधान को नजदीक से जानना चाहिए। हनुमान वाटिका में पवन पुत्र के शौर्य व भक्ति से परिचय करना चाहिए। उन्होंने वार म्यूजियम, वेस्ट म्यूजियम, स्पंदन सरोवर की भी तारीफ की।

सीएम ने कहा कि पिछली सरकारों ने कांवड़ यात्रा पर बैन लगाने की कोशिश की। जन्माष्टमी के आयोजनों पर विरोध जताया। प्रदेश में कांवड़ यात्रा नहीं रुकेगी, बल्कि इस महापर्व का भव्य आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि हर थाने में जन्माष्टमी का उत्सव मनाया जाएगा। पुलिस लाइन, जिला कारागार समेत हर जगह आयोजन होंगे।

तटीय पोत परिवहन विधेयक हंगामे के बीच राज्य सभा में पारित, कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्य सभा ने गुरुवार को विपक्ष के हंगामे के बीच तटीय पोत परिवहन विधेयक 2025 को पारित कर दिया जिससे इस पर संसद की मुहर लग गयी। लोक सभा ने यह विधेयक तीन अप्रैल को पारित किया था। विधेयक पारित होने के साथ ही विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। इस विधेयक में भारतीय तटीय जलक्षेत्र में व्यापार में लगे जहाजों को विनियमित करने का प्रावधान है और इससे समुद्र के रास्ते तटीय व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। राज्य सभा में सुबह के स्थगन के बाद आज अपराह्न दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष के सदस्यों का हंगामा जारी रहा। हंगामे के बीच पीठासीन उप सभापति घनश्याम तिवाड़ी ने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानन्द सोनोवाल को लोक सभा में पारित इस विधेयक को यथा रूप चर्चा और पारित कराने के लिए प्रस्तुत करने को कहा। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच संक्षिप्त बहस और उस पर मंत्री के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गयी। विपक्ष के कुछ सदस्यों ने विधेयक पर संशोधन के कुछ प्रस्ताव दे रखे थे लेकिन उप सभापति द्वारा संशोधन पेश करने के लिए पुकारे जाने पर उन्होंने संशोधन पेश नहीं किया और कहा कि पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा करायी जानी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य प्रमोद तिवारी ने व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहा लेकिन आसन ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। विधेयक को सदन की मंजूरी मिलने के साथ ही पीठासीन उप सभापति ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे को देखते हुए कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगति कर दी।

धराली आपदा : राहत कार्य में तेजी, अब तक 233 लोगों को निकाला गया सुरक्षित

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के आपदा प्रभावित धराली गांव में फंसे और लापता लोगों को बचाने के लिए गुरुवार को मौसम साफ होने पर युद्धस्तर पर कार्य शुरू हुआ।

अवरुद्ध सड़कों को खोलने के लिए सेना और अर्द्धसैनिक बलों की टीम चीन सीमा से लगे दूसरे रास्ते से धराली पहुंचने लगी हैं। अभी तक स्थानीय लोगों के अलावा, सेना के हवलदार, अग्निवीरों, केरल के 28 सैलानियों के समूह समेत अनेक लोग लापता हैं। लापता लोगों की संख्या अभी भी स्पष्ट नहीं है। सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार खोज और बचाव कार्य में जुटी हैं। अब तक 233 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है।

इनमें आज सुबह नौ बजे तक 43 लोगों को जबकि बुधवार को 60 और मंगलवार को 130 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है जबकि तीन दिनों में कुल छह शव बरामद हुए हैं।

'भाजपा की विस्तारित शाखा' के रूप में काम कर रहा चुनाव आयोग : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को भारत चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा और उस पर 'भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विस्तारित शाखा' के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव की घोषणा से बहुत पहले आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप करके अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र का घोर उल्लंघन किया है। श्री बनर्जी ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि चुनाव आयोग राज्य विधानसभा चुनाव से करीब एक साल पहले पश्चिम बंगाल सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहा है और इसका उद्देश्य निर्वाचित प्रशासन को कमजोर करना तथा केंद्र में सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा "चुनाव आयोग अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम कर रहा है। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद होती है। उसके बाद ही वह राज्य की दीवानी और आपराधिक/पुलिस प्रशासनिक मशीनरी को अपने हाथ में लेकर यह सुनिश्चित कर सकता है कि चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निष्पक्ष हों। लेकिन पिछले 3–4 महीनों से, जबकि चुनाव अभी 10–11 महीने दूर हैं, चुनाव आयोग ने जो काम शुरू किया है, उससे साफ जाहिर है कि वे एक निर्वाचित सरकार को काम नहीं करने देंगे। वह ऐसा भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए कर रहे हैं।" केंद्र सरकार पर पश्चिम बंगाल को उसके अधिकारों से वंचित करने के साथ ही न्यायपालिका का दुरुपयोग करने का उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा "उन्होंने (केंद्र) संदेशखली जैसे मामले को लेकर पश्चिम बंगाल को बदनाम करने के लिए मीडिया के एक हिस्से का इस्तेमाल किया है। अब वे चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि असली बंगाली अपने मताधिकार का प्रयोग न कर सकें। चुनाव आयोग ने यह बेशर्मी इसलिए अपनायी है ताकि वे इन लोगों के मताधिकार छीन सकें। यह अब चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उन्हें अपने कार्यों के बारे में राज्य को सूचित करना चाहिए था क्योंकि यह एक निर्वाचित सरकार है।" श्री बनर्जी ने कहा कि लोगों ने 2021 में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिए वोट दिया था और सरकार केवल उनके प्रति जवाबदेह है, किसी राजनीतिक दल या केंद्र के प्रति नहीं। उन्होंने कहा, "हम न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, लेकिन 2021 से कलकत्ता उच्च न्यायालय की विभिन्न पीठों के जरिए 50 से अधिक सीबीआई जांच की गयी है।

रोटरी के स्वास्थ्य शिविर में 100 लोगों की हुई जांच

प्रयागराज। रोटरी प्रयागराज की ओर से बुधवार को सिविल लाइंस में निरुशुल्क हड्डी रोग चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर डॉ. मनीषी बंसल के नेतृत्व में 100 से अधिक लोगों की जांचकर निरुशुल्क दवाएं वितरित की गयीं। अध्यक्ष कविता अग्रवाल ने कहा कि क्लब अपने सामाजिक सरोकार के तहत जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए समर्पित है। निरुशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन इसी कड़ी में एक सार्थक पहल है। इस मौके पर सचिव श्रुति शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रो. योगेश्वर तिवारी मौजूद रहे।

घर बैठे पैसा कमाने का झांसा देकर 14 हजार की ठगी

प्रयागराज। जार्जटाउन थाना क्षेत्र की एक महिला से घर बैठे ऑनलाइन पैसा कमाने का झांसा देकर शातिर ने 14 हजार की ठगी कर ली। पीड़िता ने मोम्मद कुमार नामक व्यक्ति के खिलाफ साइबर अपराध की एफआईआर दर्ज कराई है। मालवीय रोड जार्जटाउन निवासी सुधा सिंह की तहरीर के अनुसार, तीन जुलाई को मोहम्मद कुमार नामक व्यक्ति ने फोन करने के बाद टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा। उसने खुद को एक टास्क कोआर्डिनेटर बताया और कहा कि आनलाइन रहकर कुछ धीरे–धीरे टास्क पूरे कर पैसा कमाने का अवसर मिलेगा। पहले टास्क के लिए तीन हजार रुपये दूसरे टास्क में 14 हजार रुपये ऑनलाइन जमा कराया। तीसरे टास्क के लिए रुपये मांगने पर इनकार किया, तो ग्रुप से हटा दिया।

ज्वेलरी शॉप से चोरी का एक और आरोपित गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली पुलिस ने ज्वेलरी शॉप से चोरी करने वाले एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपी शेख सोहिन उर्फ शोएम शेख निवासी झुग्गी झोपड़ी खेत सहारा पब्लिक स्कूल के पास का रहने वाला है। उसके पास से एक तिजोरी व 1270 रुपये बरामद किया गया है। इस मामले में दो आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस के अनुसार जीटीबी नगर निवासी नीतू वर्मा ने नौ फरवरी को एफआईआर दर्ज कराई थी कि उनके ज्वेलरी शॉप से आठ फरवरी की शटर का ताला तोड़कर तिजोरी, गहने व नगदी चोरी कर लिया गया। लगभग दो सौ ग्राम सोने और आठ किलो चादी के जेवरात होने की बात बताई गई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों की तलाश में जुटी थी। थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि इस मामले में दो आरोपी पहले ही जेल जा चुके हैं। तीसरे आरोपी शेख सोहिन का नाम सामने आने पर बुधवार को गिरफ्तार किया गया।

फाइनेंस कर्मी की पिटाई कर 3.47 लाख रुपये की लूट

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के बोलन धाम नहर के समीप बुधवार की देर शाम आधा दर्जन नकाबपोश बदमाश घर में घुसकर निजी फाइनेंस कर्मी की पिटाई कर 3.47 लाख रुपये लेकर फरार हो गए। लूट की सूचना मिलते ही सनसनी मच गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। वहीं देर रात तक सर्च ऑपरेशन भी चलाया, लेकिन बदमाश पकड़ में नहीं आ सके। मेजा खास निवासी इब्राहिम अंसारी ने बोलन धाम नहर के समीप किराए का कमरा लेकर ऑफिस खोल रखा है। आरोप है कि बुधवार की शाम लगभग साढ़े सात बजे दो बाइक पर सवार आधा दर्जन बदमाश आए और ऑफिस में घुस गए। बदमाशों ने फाइनेंस कर्मी सुरेश मौर्या की पिटाई करने के बाद बैग में रखा 3.47 लाख रुपये लूट लिया और बाइक से फरार हो गए। थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात बदमाशों की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक सितंबर से शुरू होगा रामलीला का रिहर्सल

प्रयागराज। श्री कटरा रामलीला कमेटी ने शारदीय नवरात्र के अवसर पर राम वाटिका परिसर में आयोजित होने वाली रामलीला के लिए 70 कलाकारों के चयन के बाद आगे की तैयारियां भी तेज कर दी हैं। कमेटी ने 21 सितंबर से लेकर तीन अक्तूबर तक होने वाली रामलीला के लिए रिहर्सल का कार्यक्रम एक सितंबर से कराने का निर्णय लिया है। रामलीला के निर्देशक सुबोध सिंह व कमेटी के अध्यक्ष सुधीर कुमार गुप्त की अगुवाई में 20 दिनों तक कलाकार रामलीला में प्रभावी अभिनय करने के लिए प्रतिदिन शाम चार बजे से रिहर्सल करेंगे। अध्यक्ष ने बताया कि रिहर्सल की अवधि चार घंटे की होगी।

गाजियाबाद के वैभव को मिलेगा संस्थान स्वर्ण समेत चार पदक

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) प्रयागराज का 22वां दीक्षांत समारोह 16 अगस्त को होगा। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के सचिव डॉ. वी नारायणन होंगे। समारोह में बीटेक कंप्यूटर साइंस के वैभव कंसल को संस्थान स्वर्ण पदक सहित चार पदक प्रदान किए जाएंगे। वैभव कंसल पिलखुआ गाजियाबाद के रहने वाले हैं।

इन्हें मिलेगा स्वर्ण पदक बीटेक– वैभव कंसल को संस्थान स्वर्ण पदक सहित चार पदक, दीपेश लाढ़ा, मो. हुसैन रजा, अनुज कुमार, शिवांग पांडेय, शिवांश अग्रवाल, आतिफ आलम और मनुश्री गुप्ता। एमटेकरू अनिमेश त्रिपाठी, मो. यूसुफ, देवेश शुक्ल, आदर्श कुमार, दिव्यांश दर्शन, स्वाति, नितीश कुमार, दुर्गेश सिंह यादव, गौरव विश्वकर्मा, मानसी चौरसिया, इरम फातिमा, आयुष धनराज, आकांक्षा सिंह, मो. आसिफ अली, विशाल यादव, अदनान सलीम, अनुराग गुप्ता, दिव्या खेतान, अदिति अग्रवाल, अमर्त्य नायक शुक्ल, अभिज्ञान मानस, प्रवेश श्रीवास्तव, सूरज कुमार, सबा तसलीम, विकास कुमार शुक्ल। एमबीए– हर्षिता दुबे। एमसीए– गरिमा बोथरा एमएससीरू छवि अग्रवाल।

मुक्त विवि, पीआरएसयू में 11-12 सितंबर को दीक्षांत समारोह संभावित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीयू) और प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय में सितंबर माह में दीक्षांत समारोह संभावित है। 11 सितंबर को अगर मुक्त विवि का दीक्षांत समारोह होगा तो इसके ठीक अगले दिन 12 सितंबर को पीआरएसयू में होगा। दोनों विश्वविद्यालयों में आयोजित होने वाले इन दीक्षांत समारोहों की तैयारियां शुरू हो गई है। हालांकि दोनों विवि के कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि का नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है।

हाईवे के ढाबे और रेस्टोरेंट में सेहत से खिलवाड़, सफाई का ध्यान न गाइडलाइन का पालन

प्रयागराज। सैदाबाद क्षेत्र में मौजूद ज्यादातर ढाबों, होटल, रेस्टोरेंट की रसोई में गंदगी रहती है। इनका खाना सिर्फ आपका पेट ही नहीं भरेगा बल्कि आपको बीमार भी बना सकता है। चौंकिए नहीं! सावधान रहिए, अपना ख्याल रखिए, खाद्य विभाग के अफसर खुद मानते हैं कि ढाबों की हालात बहुत खराब हैं। हालत बताते हैं कि ज्यादातर रेस्टोरेंट और ढाबों में सफाई की उचित व्यवस्था नहीं है। संचालकों को साफ–सफाई की न तो फिक्र है और न ही खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम के तहत तय सफाई के मानकों की जानकारी ही है। रेस्टोरेंट ढाबों की रसोई में खाना बनाने से लेकर इनमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री के रखरखाव व भंडारण तक में सफाई के मानकों की अनदेखी हो रही है।

ज्यादातर ढाबों में हमें गंदे कपड़े पहने कारीगरों व अन्य स्टाफ से खान–पान की सामग्री ग्राहकों तक परोसी जाती है, जिनको साफ सफाई की बेसिक जानकारी तक नहीं पता होती है। एफएसडीएस अर्थात फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारी मानते हैं कि 30 से 40 प्रतिशत ढाबों में किचन को छोड़कर बाकी जगह सफाई के नाम पर सिर्फ झाड़ू–पोछा करके काम चलाया जा रहा है। वहीं, सख्ती की बात की जाए तो नमूना लेने, फूड लाइसेंस की जांच केवल कागजों तक ही सिमटी रहती है। क्षेत्र में मौजूद गांवों में नालों के किनारे खुले में ही रखकर कटे फल व अन्य खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे हैं। जिसका असर आम लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। नालियों के किनारे लगाई गई दुकानों पर भिनभिनाती मक्खियां से बीमारी फैलने का खतरा रहता है, लोग इन्हीं दुकानों से खाने–पीने का सामान खरीद कर खा रहे हैं। ठेले पर तमाम कटे फल खुले में बेचे जा रहे हैं। टिकिया, समोसा, बर्गर, चाऊमीन जैसे फास्टफूड सहित अन्य कई प्रकार की खाद्य सामग्रियां भी खुले में रख कर बेची जा रही हैं। सड़क पर उड़ती धूल तो इन पर पड़ ही रही हैं साथ ही बगल के नाले की मक्खियां भी इनको दूषित कर रही हैं। स्थानीय निवासी राम प्रताप, सुंदर लाल, राम कुमार, शिव पूजन, अंकुर का कहना है कि फुटपाथ पर

नालियों के किनारे दुकान लगाए ठेला खोमचा पर जहां गंदगी पसरी रहती है वहीं मक्खियां भिनभिनाती रहती है। ऐसे दुकानदारों पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। आजकल खाने में प्रयोग किया जाने वाला रिफाइंड ऑयल के इस्तेमाल का चलन काफी बढ़ चुका है। पहले जहां सरसों के तेल या घी का इस्तेमाल होता था वहीं अब लोग इन्हें रिफाइंड ऑयल से रिप्लेस कर रहे हैं। खाने में लगातार रिफाइंड ऑयल का इस्तेमाल आपके लिए हानिकारक हो सकता है। आज के समय खानपान व रहन–सहन में काफी बदलाव हो चुका है। पुराने समय में जहां खाने के लिए सरसों का तेल या घी इस्तेमाल किया जाता था, तो वहीं अब रिफाइंड ऑयल ने लोगों के किचन में अपनी जगह बना ली है। इन दिनों ज्यादातर लोग खाने के लिए रिफाइंड ऑयल का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। कम समय में ही लोगों के बीच काफी प्रचलित हो चुका रिफाइंड ऑयल आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक है। अगर आप भी अपने खाने में नियमित रूप से रिफाइंड ऑयल का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो यह आपके और आपके परिवार के लिए हानिकारक हो सकता है। रिफाइंड तेल का ज्यादा सेवन से कैंसर हो सकता है। रिफाइंड के नुकसान के बारे में जरूर जानें –तेल का शुद्ध रूप चिपचिपा और गंध वाला होता है। ऐसे में रिफाइंड ऑयल को बनाने के दौरान इसमें मौजूद गंध को पूरी तरह से निकाल दिया जाता है। इसमें मौजूद ये गंध ही प्रोटीन कंटेंट होता है, जिसे निकालने की वजह से रिफाइंड ऑयल में प्रोटीन की मात्रा खत्म हो जाती है। ऐसे में नियमित तौर पर इसके सेवन से शरीर में प्रोटीन की कमी हो सकती है। –रिफाइंड ऑयल को बनाने की प्रोसेस के दौरान इसमें से सिर्फ गंध ही नहीं बल्कि इसकी प्राकृतिक चिकनाई भी निकाल दी जाती है। ऐसे में बिना चिकनाई वाला तेल इस्तेमाल करने से त्वचा संबंधी परेशानियां होने लगती हैं, जिसमें झुर्रियां, रूखापन और मुंहासे आदि होते है। –हमारे शरीर के सही तरीके से काम करने के लिए इसमें फैटी एसिड होना बेहद जरूरी है। लेकिन रिफाइंड ऑयल के इस्तेमाल से शरीर में फैटी एसिड की कमी हो सकती है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से आपको छोटी उम्र में जोड़ों और कमर में दर्द की समस्या हो सकती है। इतना ही नहीं इसकी वजह से आप में आंख, दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। क्या है नियम – किसी भी होटल या रेस्टोरेंट, जिसमें 20 या इससे अधिक कर्मचारी हों, वहां किचन सुपरवाइजर की तैनाती अनिवार्य है, जो न के बराबर है। – खाना बनाने वाले स्टाफ का अपनी सफाई के साथ साफ साफ कपड़े व काम करते समय ग्लव्स, टोपी पहनना जरूरी है। – सफाई के साथ ही किचन पूरी तरह से हवादार हो। गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था हो, रोशनी व सफाई का पर्याप्त इंतज़ाम हो। वेज व नॉनवेज सामग्री रखने के लिए अलग अलग जगह हो। – ऑर्डर का खाना बनाने के लिए दो सेट बर्तन होना चाहिए। रसोई का मुख्य व सहायक स्टाफ साफ कपड़ों में हो। किचन के गंदे फर्श पर सब्जियां व अन्य सामग्री जैसे सलाद आदि न काटी जाए। – बर्तन धोने का सिंक गैस के करीब नहीं होना चाहिए। खाद्य सामग्री के रखने की व्यवस्था अलग से हो और साफ सुथरी हो। हाईवे के ढाबों में आम है ऐसे हालात – खाने वाले सामान को गंदगी में रखना। – एक ही फ्रिज में वेज और नॉनवेज सामग्री एक साथ रखी जाती है। – एक ही पैन को बिना ठीक से साफ किए वेज–नॉनवेज तैयार किया जाता है। – किचन में इस्तेमाल होने वाले गंदे पानी का ठीक से निकास न होना। – पानी की टंकी को समय समय पर साफ न करना। – फूड पंजीयन अथवा लाइसेंस न लेना। – किचन में काम करने वालों का समय समय पर स्वास्थ्य परीक्षण न करवाना। – खराब हो गए खाने वाले सामान को भी उपयोग में आ रहे सामन के साथ रखना। क्या कहती है 2024 में जारी की गई गाइडलाइन –ढाबों–रेस्टोरेंट खान–पान के प्रतिष्ठानों की सघन जांच होगी। हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन होगा। –खान–पान के केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर का नाम और पता डिस्प्ले करना अनिवार्य होगा। – शेफ हो या वेटर, उन्हें ग्लव्स और मास्क लगाना होगा। – होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य होगा। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सीसीटीवी से कवर होना चाहिए। – यह सुनिश्चित किया जाए कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा। – गंदी चीजों की मिलावट की तो संचालक पर भी कठोर कार्रवाई होगी। – खान पान के केंद्रों पर साफ–सफाई होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि खाने की चीजों को तैयार करने तथा सर्विस के समय संबंधित वेटर या व्यक्ति मास्क–ग्लव्स का उपयोग जरूर करें।

बोले जिम्मेदार हर माह क्षेत्र में मौजूद रजिस्टर्ड व गैर रजिस्टर्ड दुकानों की सैम्पलिंग की जाती है। बीते छह माह में कई कार्रवाईयां विभाग द्वारा की गई है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई का सारा रिकॉर्ड जिले पर है। कांवर मार्ग पर लगातार दुकानों की सैम्पलिंग की जा रही है। –महातीम यादव, फूड सेफ्टी ऑफिसर, हंडिया

हमारी भी सुनें खाद्य पदार्थों को बनाने, बेचने अथवा अन्य संबंधित गतिविधियों से जुड़े नियमों को व्यवहारिकता का ध्यान रखते हुए और सख्त किया जाए। नियमों की अवहेलना पर ढाबों, रेस्टोरेंट्स अथवा होटलों के मालिकों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। –सर्वेश पांडेय, प्रबंधक आजकल इस भाग दौड़ के समय में अपनी व्यस्तता की वजह से और क्षणिक स्वाद के लिए रास्ते और चट्टी चौराहों पर बन रहे छोले समोसे चाट चाउमीन बर्गर आदि का सेवन ज्यादा से ज्यादा जनसंख्या खासकर युवा वर्ग लगभग प्रतिदिन कर रहा है। यह व्यक्ति के शरीर पर बहुत ही गहरा प्रभाव डालता है। –डब्बू शुक्ला, समाजसेवी पेट के कैंसर और हार्ट से संबंधित बीमारियां होती हैं। साथ ही मधुमेह जैसी बीमारी भी हमारे शरीर पर गहरा प्रभाव डालती है।

प्रयागराज में और बिगड़ सकती बाढ़ की स्थिति

प्रयागराज। प्रयागराज सहित उत्तर प्रदेश के बाढ़ग्रस्त शहरों में आने वाले दिनों में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ सकती है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के के. बैनर्जी सेंटर ऑफ एटमॉस्फियरिक एंड ओशन स्टडीज के प्रो. सुनीत द्विवेदी ने सैटेलाइट से प्राप्त चित्रों एवं डाटा के विश्लेषण के बाद आगाह किया है कि मौसम का पूर्वानुमान आने वाले दिनों में और अधिक बारिश का संकेत देता है जिससे बाढ़ की स्थिति बिगड़ सकती है। इस साल मानसून की बाढ़ से प्रयागराज बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसमें गंगा और यमुना दोनों नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इस स्थिति के कारण खासकर सलोरी, छोटा बघाड़ा और राजापुर जैसे निचले इलाकों में व्यापक रूप से जलभराव हो गया है।

लाखों निवासी प्रभावित हुए हैं, और नदी के किनारे स्थित मंदिर और श्मशान घाट सहित कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। जारी बाढ़ ने कुछ क्षेत्रों की चरम मौसम की घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता को उजागर किया है। भविष्य में ऐसी घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए निरंतर निगरानी और तैयारी आवश्यक है। एक जून से 6 अगस्त 2025 के बीच उत्तर प्रदेश में लगभग 327 मिमी वर्षा हुई है जो इस अवधि के सामान्य औसत 350.9 मिमी से लगभग 7: कम है।

सामान्य से कम वर्षा वाले उल्लेखनीय जिले फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, सुल्तानपुर, बुलंदशहर, रामपुर और बरेली हैं। बिजनौर, प्रतापगढ़, अलीगढ़, मैनपुरी, हाथरस और कानपुर में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। ललितपुर, महोबा, बांदा, एटा और हमीरपुर जिले विशेष रूप से अधिक वर्षा वाले जिले हैं। ललितपुर में 842 मिमी वर्षा हुई जो सामान्य से 126: अधिक है, महोबा में सामान्य से 139: अधिक वर्षा हुई। जुलाई के अंत में मानसून के पुनर्जीवित होने से राज्य में वर्षा वितरण में असामान्य सुधार हुआ है।

शिविरों में लोग बढ़े, पर वापसी भी शुरु

प्रयागराज। लगातार विकराल रूप धारण कर बढ़ रहीं गंगा यमुना का जलस्तर मंगलवार को कम होना शुरू हुआ तो आम नागरिकों ने राहत की सांस ली। बाढ़ से बचकर लोगों ने राहत शिविरों में डेरा डाला था, वो अब वापस लौटने लगे हैं।

बाढ़ राहत शिविर में सपा नेता को खानपान सामग्री बांटने से रोकने पर हंगामा, बुलाई गई पुलिस

प्रयागराज। प्रयागराज में भीषण बाढ़ के कारण लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। हजारों लोगों को अलग अलग बाढ़ राहत शिविरों में रखा गया है। राजापुर स्थित ऋषिकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भी बाढ़ राहत शिविर लगाया गया है। इस शिविर में रह रहे बाढ़ पीड़ितों को खानपान सामग्री के पैकेट बांटने गए सपा नेता संदीप यादव को रोक दिया गया। इससे हंगामा खड़ा हो गया। मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए। अधिकारियों से सपा नेता की तीखी नोकझोंक हुई। खानपान का सामान वितरित करने से रोकने के विरोध में सपा नेता धरने पर बैठ गए। उनके साथ मौजूद कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विवाद बढ़ने पर कई थानों की पुलिस फोर्स पहुंच गई। इस दौरान सपा नेता और पुलिस के बीच भी कहासुनी हुई। काफी देर तक हंगामा चला।

सपा नेता ने बताया कि वह शिविर में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री व खानपान के सामान बांटने गए थे। साथियों के साथ विद्यालय में पहुंचे तभी एडीएम और एसडीएम ने बाढ़ पीड़ितों तक जाने से रोक दिया। इस पर प्रशासनिक अधिकारियों से कहासुनी होने लगी। कुछ ही देर में विद्यालय में पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने विद्यालय से उन्हें दबाव बनाया तो झड़प हुई।

शिविर में खानपान वितरण रोकने को लेकर उप जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि राहत शिविर सरकार की ओर से संचालित किया जा रहा है। शिविर में बाढ़ पीड़ितों को दिए जाने से खानपान के सामानों का परीक्षण किया जाता है।

सपा नेता को भी खानपान के सामानों का वितरण के पहले परीक्षण कराने के लिए कहा गया तो वह बिफर पड़े। सपा नेता से यह भी कहा गया कि खानपान शिविर के बाहर बाढ़ पीड़ितों को भी बांट सकते हैं। उप जिलाधिकारी के अनुसार खानपान के पैकेट पर सपा का स्टीकर भी लगा था। इसी वजह से नाराज होकर सपा नेता धरने पर बैठे।

छूटे विद्यार्थियों को मिला दोबारा परीक्षा का मौका

प्रयागराज। प्रयाग संगीत समिति की ओर से गायन, वादन व तंत्र वाद्य की सत्र परीक्षा में छूटे हुए विद्यार्थियों को एक और मौका देने का निर्णय लिया गया है। समिति के रजिस्ट्रार प्रदीप कुमार ने गुरुवार को मई 2025 की परीक्षा में ऐसे विद्यार्थियों के लिए नई तारीख की घोषणा की है। जो विद्यार्थी लिखित व प्रयोगात्मक परीक्षा में किसी अपरिहार्य कारणों से अनुपस्थित हो गए थे, उनकी पुनरु परीक्षा 12 अगस्त को कराई जाएगी। रजिस्ट्रार ने बताया कि परीक्षा शाम चार बजे से सात बजे तक समिति के अल्फ्रेड पार्क में आयोजित की जाएगी। इसके लिए प्रवेश पत्र लाना अनिवार्य किया गया है।

150 से अधिक बाढ़ पीड़ितों ने छोड़ा राहत शिविर

प्रयागराज। गंगा–यमुना का जलस्तर तेजी से घटने पर लोग अब राहत शिविरों से घरों में लौटने लगे हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वाले भी राहत महसूस कर रहे हैं। बाढ़ का पानी घटने के बाद बुधवार शाम तक 102 लोग शिविर छोड़कर जा चुके थे। गुरुवार सुबह 50 से अधिक लोगों ने शिविर छोड़ा। गंगा –यमुना का जलस्तर घटने के बाद 50 हजार लोगों को बाढ़ से राहत मिली है। एडीएम विनीता सिंह के मुताबिक अब बाढ़ प्रभावित शहर के मोहल्ले और गांवों की सफाई और कीटनाशक का छिड़काव कराना है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने दोनों काम युद्ध स्तर पर करने के लिए कहा है। बुनियादी व्यवस्था को सुधारने के लिए मजिस्ट्रेटों को भ्रमणशील रहने के लिए कहा गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर में घुली कजरी की मिठास

प्रयागराज। अल्लापुर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में श्रावण मास के अवसर पर बुधवार को कजरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिलाओं ने कजरी गीतों की प्रस्तुति दी तो वातावरण में परंपरागत गायन की मिठास घुल गई। इस दौरान मातृ भारती का भी गठन हुआ। प्रस्तावना प्रधानाचार्या मीरा पाठक ने प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ. शारदा पांडे (पूर्व अध्यक्ष) एवं मंजू मौर्य (पूर्व सभासद) की उपस्थिति में मातृ भारती के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। अंत में रिंकी द्विवेदी ने आभार प्रकट किया।

परीक्षा की तैयारी के लिए परीक्षार्थियों को मिलेगा पर्याप्त समय

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में छात्र–छात्राओं को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। पिछले कुछ सालों से बोर्ड परीक्षाएं 12 कार्यदिवसों में कराई जा रही है। 2025 की परीक्षा भी 12 कार्यदिवसों में प्रस्तावित थी लेकिन महाकुम्भ के कारण प्रयागराज की एक दिन टालनी पड़ी थी इसलिए 13 कार्यदिवस में परीक्षा हुई थी। हालांकि 2026 की परीक्षा में 14 या अधिक कार्यदिवसों पर परीक्षा कराने पर विचार चल रहा है। कम समय में परीक्षा कराने की होड़ का नतीजा था कि 2025 की परीक्षा में हजारों परीक्षार्थियों को एक दिन में दो पालियों में परीक्षा देनी पड़ी थी।

इसे देखते हुए बोर्ड अफसर 2026 की परीक्षा अवधि बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यही नहीं बोर्ड के स्तर से परीक्षा की संभावित समय सारिणी तैयार भी कर ली गई है जिसे जल्द शासन की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

कोर में स्वच्छता संगोष्ठी

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, में स्वतंत्रता दिवस समारोह (IDC–2025) के अन्तर्गत 01 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक चल रहे "स्वच्छता अभियान में दिनांक 06.08. 2025 को स्वछता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता, उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/कोर–श्री के.के. श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता ने बताया कि स्वछता अभियान स्वयं से शुरू करना चाहिए जो तीन चरणों मे होती है जैसे

शारीरिक स्वछता, मानसिक स्वच्छता तथा सामाजिक स्वछता तथा सफाई कर्मियों को सफाई सेवक कहना अधिक उपयुक्त होगा। इसी क्रम में मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी–श्री कल्याण सिंह ने बताया कि पान, तंबाकू खाकर इधर–उधर न थूकें क्योंकि इससे गंदगी व संक्रमण दोनों फैलता है और इसी के साथ ई–आफिस पर कार्य करने के लिए सभी लोगों को प्रेरित किया जिसका मुख्य लाभ कागज़ की खपत कम करना है।

उक्त कार्यक्रम में उप मुख्य सतर्कता अधिकारी–श्री सौरभ मिश्रा, सचिव–महाप्रबन्धक–श्री नरेन्द्र चौधरी, वरिष्ठ विधि अधिकारी/वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी–श्री एस. एन. श्रीवास्तव, सहायक कार्यकारी अभियन्ता–श्री फूल चंद एवं जनसम्पर्क अधिकारी/सहायक सचिव (म.प्र.)–श्री विमल कुमार तथा केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज के समस्त कर्मचारियों और सफाई कर्मियों ने संगोष्ठी में अपनी उपस्थिती देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

नाबालिग से छेड़छाड़ मामले में एसएसपी से मिले मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगर। भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति प्रजापति प्रजापति समाज के सैकड़ो लोगो को साथ लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंचे और एसएसपी संजय वर्मा से मुलाकात कर उन्हें बताया कि मंसूरपुर के गांव मुबारिक पुर में समाज की 14 वर्षीय नाबालिक लड़की को गांव के दबंग पीआरडी के जवान मनोहर ने घर में घुस कर

नाबालिक के साथ छेड़छाड़ वे बलात्कार का प्रयास किया वही पीड़िता को पुलिस में शिकायत करने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी वही एसएसपी संजय वर्मा ने तुरंत सीओ खतौली व थाना प्रभारी मंसूरपुर को फोन कर तुरन्त मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही को कहा वही मोहन प्रजापति ने मीडिया को बताया हे कि एसएसपी संजय वर्मा एक सुलझे हुए अधिकारी हे ओर जब कोई मामला होता हे तो वह मुझे बुलवाकर पूछते हे ओर तुरंत कार्यवाही हर मामले में तुरंत कार्यवाही करते हे उन्होंने बताया हे कि एसएसपी बहुत आए और उन्होंने भी काफी मामलों को लेकर आंदोलन किए लेकिन संजय वर्मा की कार्य करने की अलग शैली हे अच्छी पुलिसिंग हे ,इस दौरान, प्रभारी रामनिवास प्रजापति एडव, मोर्चा नेता व जिला अध्यक्ष आजाद समाज पार्टी,दिनेश पाल, जानसठ ब्लॉक अध्यक्ष सोनू प्रजापति, सोनू पाल, संजय प्रजापति, खुशी प्रजापति, बबली प्रजापति, सुभाष, राहुल प्रजापति, विवेक प्रजापति, भारत प्रजापति, रविता प्रजापति, मनोज प्रजापति, विनोद प्रजापति आदि मौजूद रहे।

प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश मे भी अपना स्थान रखती है मुज़फ्फरनगर नगर पालिका

पत्रकार मेहराब की खास रिपोर्ट

मुजफ्फरनगर। जी है ये है मुज़फ्फरनगर नगर पालिका जो अभी कुछ दिन पूर्व प्रदेश में ही नही बल्कि देश मे सफाई में गिने चुने शहरों में शुमार हुई है । नगरपालिका का विकास और सड़के साफ सफाई किसी से छुपी नही है और ये नजारा तो अपनी कहानी खुद ही बयान करता है ये है ए टू जेड रोड स्थित सैनिक विहार कॉलोनी जहां के निवासी नरकीय जीवन जीने को मजबूर है न सड़क है न नाली न पानी ऐसे में क्या करे आम नागरिक कोई सुनवाई नही सभासद से वार्ता की तो

विकास जारी है काम चल रहा है सड़क और नाली पास हो चुकी है नागरिको को ये आश्वासन पिछले 1 वर्ष से मिल रहा है लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात। थोड़ी सी बरसात होते ही रास्ते तालाब बनजाते है छोटे छोटे बच्चे बरसात के गंदे पानी से स्कूल जाने को मजबूर नागरिक संक्रामक बीमारी झेलने को मजबूर कोई सुनवाई नही कहने को विकास जारी है लेकिन दिखाई कही नही दे रहा। चौयरपर्सन पॉश इलाको में तो जाती है लेकिन छोटी छोटी कॉलोनि निवासियों की पीड़ा कौन हरेगा यही कमोबेश हाल शहर के आसपास की नवनिर्मित कॉलोनियों का इन्हें नगरपालिका में मिला तो लिये गया परंतु अभी किसी भी जनप्रतिनिधियों की नजर इनायत इन पर नही हुई।

नवजात को छीन पत्नी को घर से बाहर निकाला

मोरना। मात्र छः दिनों की नवजात को छीनकर घर से बाहर निकाल देने का आरोप पति पर लगाते हुए पीड़िता ने कार्रवाई की गुहार पुलिस से लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव वजीराबाद निवासी महिला अंजलि ने बताया की उसका मायका मोरना गांव मे है।उसकी शादी तीन वर्ष पूर्व हुई थी।सास ससुर दूसरे जनपद मे रहते हैं।शादी के बाद से ही पति व जेठ दुर्व्यवहार करते हैं, और घरेलु हिंसा करते हैं।एक वर्ष का पुत्र मयंक है।छरूदिन पूर्व उसने एक पुत्री को जन्म दिया है।ऐसी स्थिति मे देखभाल तो दूर पति ने मारपीट की।आरोपियों ने पुत्र मयंक व नवजात को छीन कर कहीं पहुंचा दिया।और अंजलि को घर से निकाल दिया।गुरुवार को पिता संग थाने पहुंची पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने विश्व स्तनपान जागरूकता अभियान चलाया

ताडेपल्लीगुडेम। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ने अलीशा अकादमी और उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के साथ मिलकर विश्व स्तनपान जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को स्तनपान जागरूकता एवं चिकित्सा शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कॉलेज ने 1 से 7 अगस्त तक एक सप्ताह तक चलने वाली पहल की है, जिसका उद्देश्य इस महत्वपूर्ण संदेश को बढ़ावा देना हैरू ष्स्तनपान में भाग लेकर भविष्य को सुनिश्चित करें।ष

ये व्यापक जागरूकता अभियान दो प्रमुख स्थानों पर एक साथ आयोजित किए गए। बल्लीपाडु गाँव में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम और जगन्नाथपुरम गाँव में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम। ये प्रयास विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्तनपान के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के निर्देश के अनुरूप हैं।

बल्लीपाडु गाँव में, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की एक समर्पित टीम ने जागरूकता कार्यक्रम और चिकित्सा शिविर का नेतृत्व किया। टीम का नेतृत्व स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग की विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. कदली श्रीनिवास ने किया, उनके साथ डॉ. बी. अरुणकुमारी, डॉ. डी. धरणी, प्रशिक्षु जे. अरशद और अंजुमा, और छात्राएँ हिंदवी, विजया भारती, अंकिता शेरोन और दीक्षिता भी मौजूद थीं। इस कार्यक्रम में सीडीपीओ अधिकारी एम. श्रीलक्ष्मी, आईसीडीएस पर्यवेक्षक एम. श्रीदेवी, बल्लीपाडु उमर अलीशा

ट्रस्ट के सदस्य शिवनारायण और आंगनवाड़ी सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान, डॉ. के. श्रीनिवास, जे. अरशद, सीडीपीओ एम. श्रीलक्ष्मी, आईसीडीएस पर्यवेक्षक एम. श्रीदेवी और यूएआरडी बल्लीपाडु के संयोजक शिव नारायण ने विस्तृत भाषण दिए। चर्चाओं में स्तनपान की उचित स्थिति, निर्धारित समय पर दूध पिलाने, माताओं के लिए पोषण संबंधी सलाह और स्तन स्वच्छता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। स्तनपान जागरूकता और माताओं के लिए निर्देशों से संबंधित पर्चे भी वितरित किए गए। बल्लीपाडु में आयोजित चिकित्सा शिविर में 29 गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की जाँच और स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गई। एक सामान्य चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया गया, जहाँ रोगियों की जाँच की गई और निःशुल्क दवाएँ वितरित की गईं।

इसी समय, जगन्नाथपुरम गाँव में, डॉ. सनपाल आनंद राव और डॉ. पुल्ला उमा माहेश्वरी ने स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम का नेतृत्व किया, जिसमें बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई और होम्योपैथिक दवाओं से रोगियों का उपचार किया गया, जिससे कॉलेज के समग्र दृष्टिकोण का और अधिक प्रदर्शन हुआ।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य और जन शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, और कल्याण एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए भागीदारों के साथ मिलकर काम करता है।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक सम्पन्न

17 अगस्त बुढ़ाना पीडीए पंचायत में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के आगमन पर जोरदार स्वागत की तैयारी

मुजफ्फरनगर। सपा जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन ने बताया कि समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक सपा जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट की अध्यक्षता व जिला महासचिव चौधरी विकिल गोल्डी अहलावत के संचालन में संपन्न हुई।

मासिक बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी ने कहा कि पीडीए पंचायत व पीडीए पाठशाला जिले में पूर्व की भांति जोरदार तरीके से जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि बुढ़ाना में 17 अगस्त को सपा नेता सतेंद्र पाल द्वारा आयोजित बड़ी पीडीए पंचायत में सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल मुख्य अतिथि के रूप में पीडीए पंचायत को संबोधित करेंगे। बुढ़ाना आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत हेतु सभी कार्यकर्ताओं से पहुंचने का आह्वान किया गया।

सपा महानगर अध्यक्ष पुष्पेंद्र बॉबी त्यागी ने कहा कि सरकार की सरकारी स्कूलों को बंद करने की साजिश को किसी भी नियम के तहत समाजवादी पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी इसका जोरदार विरोध जारी रहेगा।

सपा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि जिस डोनाल्ड ट्रंप के लिए मोदी सरकार पलके बिछा रही थी उनका चुनाव प्रचार तक कर रही थी उस ट्रंप द्वारा भारत विरोधी मानसिकता व निर्णय भाजपा सरकार की असफलता व अदूरदर्शिता को साबित करता है।

सपा प्रदेश सचिव चौधरी

इलम सिंह गुर्जर सपा प्रदेश सचिव नौशाद अली ने अपने संबोधन में भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को बर्दाश्त न करने तथा सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर संविधान,आरक्षण व पीडीए के अधिकारों की रक्षा हेतु आंदोलन के लिए तैयार रहने की अपील की।

मीटिंग को सपा जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह नीटू जिला उपाध्यक्ष आमिर कासिम एडवोकेट,चौधरी ओमपाल सिंह,अंकित शर्मा,सुरेश पाल प्रजापति विधानसभा अध्यक्ष सतबीर त्यागी, सत्यदेव शर्मा, अकरम खान, डॉ अविनाश कपिल,सत्तार मंसूरी सभासद,अन्नू कुरैशी सभासद नदीम खान सभासद, सुंदर सिंह सभासद,सपा नेता सत्येंद्र पाल,सपा यूवजन सभा राष्ट्रीय सचिव सचिन पाल,सपा अल्पसंख्यक सभा राष्ट्रीय सचिव नवाब इम्तियाज कुरैशी,सपा नेता सत्येंद्र पाल,असद पाशा, इमलाक प्रधान, चौधरी यशपाल सिंह, आशीष त्यागी,पंकज सैनी, रामपाल सिंह पाल, डॉ अलीशेर अंसारी,ऐश मोहम्मद मेवाती,इमरान खान एडवोकेट,जुल्फिकार कुरैशी,हाजी गुफरान तेवड़ा आदि ने संबोधित किया।

मीटिंग में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष सोमपाल सिंह कोरी, सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सतीश गुर्जर सपा नेता बाल मुकुंद ग्रेड, सुमित पंवार बारी, शशांक त्यागी, शादाब राणा,मीर हसन,राव नफीस,पूर्व जिलाध्यक्ष सपा अल्पसंख्यक सभा डॉ इसरार अल्वी,सपा छात्र सभा महानगर अध्यक्ष नदीम मलिक सपा सोशल मीडिया इंचार्ज नावेद रंगरेज, हुसैन राणा, शादाब राणा,अनेश निर्वाल इमरान राणा, वंशराज चौहान,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष संजीव आर्य, इसरार बालियान, आकाश बालियान,पवन गिरी, सलीम कुरैशी, जॉनी अरोरा,दुर्गेश पाल, रोहताश बालियान,फैज खान,शाहबाज,दीपक पाल, अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

वाद विवाद एवं साहित्यिक समिति का हुआ आयोजन

प्रयागराज। ''बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स)'' पाठ्यक्रम, विधि संकाय, सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की ''वाद–विवाद एवं साहित्यिक समिति'' द्वारा 'रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन एंड एनालिसिस टेस्ट' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को ''मार्टिन लूथर किंग जूनियर'' के एक उद्धरण पर आधारित प्रश्न दिए गए, जो उनके 'न्यायपूर्ण और अन्यायपूर्ण कानूनों की अवधारणा' पर आधारित था। यह आयोजन ''प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खारे'' के निर्देशन में तथा ''समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह'' के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस गतिविधि में सभी सेमेस्टरों के छात्रों ने भाग लिया और समिति भविष्य में भी इस प्रकार की और गतिविधियों के आयोजन की योजना बना रही है। समिति के सदस्य हैं– ''श्रीमती रेनू सिंह'', ''श्री संदीप अग्रहरि'', ''श्री हिमांशु उपाध्याय'', ''डॉ. बबीता श्रीवास्तव'' तथा ''श्रीमती अनुश्री पांडेय''।

पीएम चीन जा रहे हैं तो हमारे सीएम को भी साथ ले जाएं: अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीन दौरे लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर चुटकी लेते हुए कहा कि अगर पीएम मोदी चीन जा रहे हैं तो उन्हें अपने साथ सीएम योगी को भी ले जाना चाहिए। सपा मुखिय ने गुरुवार को संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए योगी आदित्यनाथ पर हमेशा की तरह अपने ही अंदाज में चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ष्अगर वो चीन जा रहे हैं तो हमारे मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) को भी साथ लेकर जाएं।

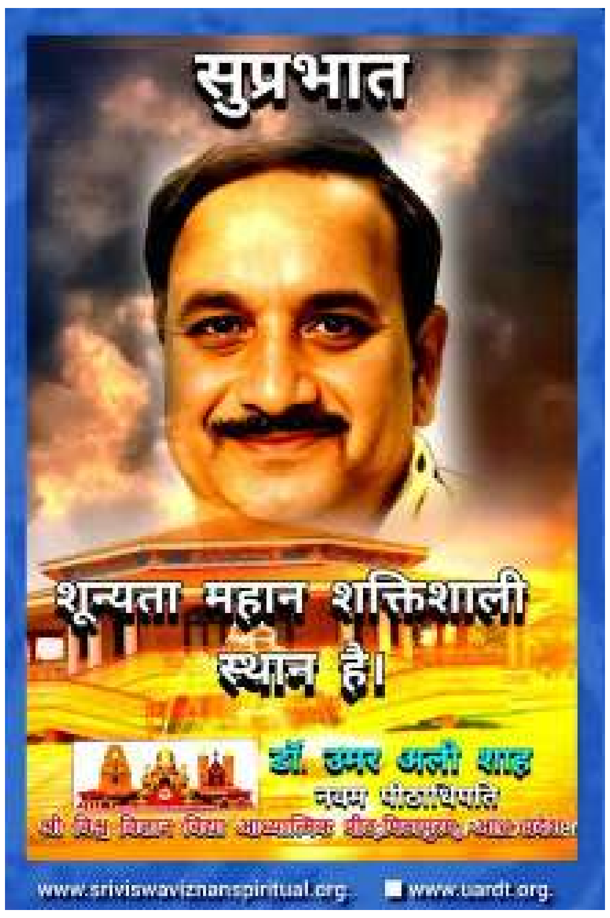

झूला भरे उड़ान

(कुण्डलिया)

माटी की सोंधी महक, झूले भरें उड़ान।
अद्भुत सावन दृश्य से, हर्षित हैं उद्यान।
हर्षित हैं उद्यान, घटा नभ में है छायी।
रिमझिम मधुर फुहार, साथ में है वह लायी।
सुन लो कहें प्रदीप, रचो ऐसी परिपाटी।
जिसका हर त्योहार, लगे बस अपनी माटी।।

कीचड़–लथपथ पाँव ने, कही अनोखी बात।
माटी से ही है मिला,जीने का सौगात।
जीने का सौगात, बताती है हरियाली।
बंजर पड़ी जमीन, न दिखती है अब खाली।
सावन कहे प्रदीप,सुनो!हो यदि मधुर पकड़।
रिश्ते होंगे मधुर, न उछलेंगे कीचड़।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डिवाइन हॉस्पिटल में इंफेक्शन कंट्रोल पर आयोजित हुआ जागरूकता सेशन!

मुजफ्फरनगर। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले डिवाइन हॉस्पिटल, रुड़की रोड मुजफ्फरनगर में आज एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण एवं जागरूकता सेशन का आयोजन किया गया। यह सेशन मेदांता हॉस्पिटल, नोएडा की इंफेक्शन कंट्रोल टीम की विशेषज्ञ मिस तरुणा गुप्ता के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस सेशन का उद्देश्य हॉस्पिटल में

संक्रमण की रोकथाम के लिए अपनाए जाने वाले मानकों, स्वच्छता की प्रक्रिया और रोगियों व स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर मेदांता नोएडा से सहायक प्रबंधक श्री शुभम गोयल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने इंफेक्शन कंट्रोल से जुड़ी व्यवस्थाओं और मेदांता में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी साझा की। डिवाइन हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य चिकित्सा कर्मियों ने पूरे उत्साह और गंभीरता से सेशन में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने इस प्रकार के आयोजनों की नियमितता की आवश्यकता पर बल दिया और इसे एक सराहनीय पहल बताया। इस सेशन को सफल बनाने में डिवाइन हॉस्पिटल के डॉक्टर अमजद सैफी का अहम रोल रहा।

डॉ. शिव शंकर मिश्र को कुलपति नियुक्त होने पर बधाई

मऊ। पावन तपोभूमि चित्रकुट के ब्लाक मऊ ग्राम कोटरा खंभा के निवासी श्रेष्ठ विद्वान प्रो. डॉ. शिवशंकर मिश्र जी को महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ० शिव शंकर मिश्र को मध्य प्रदेश के मा० राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन का 04 वर्षों के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है। यह संस्कृत जगत के लिए बड़ी उपलब्धि है। डॉ. संस्कृत जगत के उत्कृष्ट मनीषी हैं। आपने स्नातकोत्तर उपाधि में 05 स्वर्णपदक प्राप्त किया है तथा अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए महर्षि बादरायण व्यास सम्मान (राष्ट्रपति पुरस्कार), उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शंकर पुरस्कार, विशेष पुरस्कार, विविध पुरस्कार संस्कृत भूषण पुरस्कार, काशीविद्वद्भूषण पुरस्कार, शारदा काश्मीरपुरवासिनी पुरस्कार आदि कई पुरस्कार प्राप्त हैं। अगर शैक्षिक सेवा की बात करें तो आप 1998 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से राजकीय महाविद्यालय दुद्धी, सोनभद्र में असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्त हुए थे, इसके उपरान्त, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली आदि में आपने शैक्षिक सेवा प्रदान की है तथा राजकीय महाविद्यालय खानपुर के प्राचार्य, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय मैनपुरी के चेयरमैन एवं कई विश्वविद्यालय के विविध प्रशासनिक पदों में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं। डॉ मिश्र की 25 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं, साथ ही लगभग 10 पत्रिकाओं का सम्पादन भी कर रहे हैं तथा आपके 60 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हैं। आपके द्वारा लगभग 100 नेशनल इंटरनेशन सेमिनार, 80 विशिष्ट व्याख्यान आदि भी प्रदान किए जा चुके हैं।

सम्पादकीय.......

कुदरत का कहर

मानसून की दस्तक के साथ ही हिमाचल व उत्तराखंड में दरकते पहाड़ व रौद्र रूप दिखाती नदियां चिंता बढ़ाने वाली हैं। कुदरत के कहर के सामने इंसान बौना ही नजर आता है। तमाम मुख्य नदियां उफान पर हैं। जगह–जगह भूस्खलन से सड़कें ठप पड़ी हैं। हिमाचल में मूसलाधार बारिश के बीच मलबा व पत्थर गिरने से सैकड़ों सड़कें बंद हो गई हैं। सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। पहले हम गर्मी से त्रस्त होकर बारिश की आस लगाए होते हैं, लेकिन जब बारिश आती है तो स्थितियां डराने वाली हो जाती हैं। निस्संदेह ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। बारिश कम समय में ज्यादा मात्रा में बरसती है। जिससे न केवल पहाड़ों में कटाव बढ़ जाता है बल्कि पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा गिरकर रास्तों व पानी के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध कर देता है। यह संकट इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हमने पहाड़ों को विलसिता का केंद्र बना दिया है। तीर्थाटन अब पर्यटन जैसा हो गया है। पर्यटकों के वाहनों से छोटी सड़कें और पुल दबाव में हैं। नीति–नियंताओं ने पहाड़ों में सड़कों को फोर लेन–सिक्स लेन बनाने का जो उपक्रम किया है, उससे पहाड़ों का नैसर्गिक वातावरण खतरे में है। पहाड़ों के किनारे काटने से भूस्खलन की गति तेज हुई है। गाहे–बगाहे पहाड़ों का मलबा सड़कों पर गिरकर यातायात को अवरुद्ध कर देता है। यात्रियों के जीवन पर हर समय संकट बना रहता है। हिमाचल की ही तरह से कुदरत के कोहराम से उत्तराखंड भी बुरी तरह त्रस्त है। भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी व पिंडर आदि नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर मलबा गिरने की घटनाएं बढ़ने से यात्रा कुछ समय के लिये स्थगित की गई है। बार–बार भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया जा रहा है। जगह–जगह सड़कों के कटने से सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें बह गई हैं। बादल फटने की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जाने वाले मार्ग जगह–जगह बाधित हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। सामान्य जन–जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई मोटरमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हुए हैं। कई छोटे पुल बह गए हैं। कई निचले स्थानों से लोगों को हटाया गया है। कुल मिलाकर लाखों लोगों को अतिवृष्टि ने बंधक बना दिया है। निश्चित रूप से तेज बारिश और उसके प्रभाव इंसानी नियंत्रण से बाहर होते हैं। लेकिन इसके बावजूद पहाड़ी इलाकों में विकास के मॉडल पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत है। पहाड़ अध्यात्म के केंद्र भी रहे हैं, उन्हें पर्यटकों की विलसिता का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए। हमें अपेक्षाकृत नये हिमालयी पहाड़ों और उसके परिस्थितिकीय तंत्र के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। ज्यादा मानवीय हस्तक्षेप से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और नदियों का बढ़ा जल संकट का कारण भी बन रहा है।

दो जुझारू नेताओं का निधन

डॉ. दीपक पाचपोर

लंबे संघर्ष और राजनैतिक उठापटक के बाद आखिरकार 2000 में झारखंड राज्य बना, साथ में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी बने। हालांकि झारखंड निर्माण के बाद कई बार राजनैतिक अस्थिरता बनी।

भारतीय राजनीति से दो दिनों में दो कद्दावर नेताओं का निधन बड़ी शून्यता कायम कर गया है। 4 अगस्त को शिबू सोरेन का निधन हुआ और 5 अगस्त को सत्यपाल मलिक का। श्री सोरेन और श्री मलिक दोनों की राजनीति के तौर–तरीके अलग थे, दल अलग थे, विचारधारा अलग थी। लेकिन मिजाज दोनों का एक ही तरह का था, जुझारू, अक्खड़पना, जमीन से जुड़ाव और गांधी की भाषा में कहें तो अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की फिक्र दोनों नेताओं की राजनीति के केंद्र में रही। शिबू सोरेन आदिवासियों के बड़े नेता थे, उन्हें झारखंड के लोग केवल दिशोम गुरु (समाज का गुरु) ही नहीं कहते हैं, बल्कि भगवान की तरह मानते हैं। सत्यपाल मलिक का जनाधार बेशक शिबू सोरेन की तरह नहीं रहा, लेकिन उन्होंने भी गरीब, वंचित पीड़ित लोगों के हितों को तरजीह दी। शिबू सोरेन और सत्यपाल मलिक में सबसे बड़ी समानता यह रही कि सत्ता के साथ रहते हुए जी हुजूरी नहीं की और सत्ता के खिलाफ रहे तो खौफ नहीं खाया। साल 1944 में अविभाजित बिहार के हजारीबाग में जन्मे शिबू सोरेन के संघर्ष की शुरुआत अल्पायु में ही हो गई थी। उनके पिता सोबरन सोरेन की हत्या कर दी गई, क्योंकि उन्होंने आदिवासी इलाकों में फैले महाजनों के आतंक के खिलाफ आवाज उठाई थी। पिता के संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए शिबू सोरेन ने भी महाजनी प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई और धान कटनी आंदोलन चलाया। उन्होंने आदिवासियों को जागरूक किया कि धान लगाने वाला ही धान काटेगा और इस पर महाजनों का कोई अधिकार नहीं है। 70 से 80 के दशक में ये आंदोलन बहुत बड़ा हो गया, इसने झारखंड के किसानों, कामगारों और काश्तकारों को एकजुट किया, आदिवासियों को शोषण के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत दिलाई। इसी वजह से शिबू सोरेन को झारखंड के लोगों ने दिशोम गुरु की उपाधि दी। कई सालों तक शिबू सोरेन ने आदिवासियों के लिए रात्रि पाठशाला चलाई ताकि दिन भर अपना–अपना काम निपटाने के बाद आदिवासी पढ़ पाएं। शिक्षा के अलावा शराब और नशे से आदिवासियों को दूर करने की कोशिश भी शिबू सोरेन ने की। 1980 में पहली बार सांसद बनने के बाद जब उन्होंने संसद में भाषण दिया तो शराब के विरोध में बोले। शिबू सोरेन ने सामाजिक सुधार के साथ 1973 में राजनीति में कदम रखा, विनोद महतो और कामरेड एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। अविभाजित बिहार में प्राकृतिक संसाधनों का खजाना लिए दक्षिण के 26 जिलों को मिलाकर एक झारखंड राज्य बने, ऐसी कल्पना उन्होंने की। लंबे संघर्ष और राजनैतिक उठापटक के बाद आखिरकार 2000 में झारखंड राज्य बना, साथ में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी बने। हालांकि झारखंड निर्माण के बाद कई बार राजनैतिक अस्थिरता बनी। इस दौरान शिबू सोरेन कभी लोकसभा, कभी राज्यसभा, कभी विधानसभा के सदस्य बनते रहे। विभिन्न दलों के साथ उनके वैचारिक, सैद्धांतिक टकराव हुए। दिल्ली की सत्ता पर बैठे लोगों के साथ उन्होंने समझौते भी किए, लेकिन इन सबके बीच आदिवासियों के हितों के उद्देश्य से गुरुजी एक बार भी नहीं भटके। आठ बार लोकसभा सांसद, दो बार राज्यसभा सांसद, दो बार विधायक बनने वाले शिबू सोरेन ने केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री जैसे पद संभाले, हालांकि कई तरह के मामले–मुकदमों और राजनैतिक उठापटक में वे अपना कार्यकाल कभी पूरा नहीं कर पाए। आज जब सत्ता पर किसी भी तरह बैठना ही कई नेताओं का अंतिम लक्ष्य बन गया है, तब शिबू सोरेन जैसे नेताओं के जीवन को याद करना चाहिए, जिन्होंने सत्ता से पहले नागरिकों का ख्याल रखा। सत्यपाल मलिक का भी राजनीतिक जीवन पांच दशक लंबा रहा। 1968–1969 में छात्र राजनीति से शुरुआत करते हुए श्री मलिक किसान नेता चौधरी चरण सिंह के करीब आए और 1974 में चुनावी राजनीति में उतरे। बागपत से विधानसभा का चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे चौधरी चरण सिंह के साथ ही लोक दल में शामिल हो गए, उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया। सत्यपाल मलिक 1980 में लोक दल की ओर से ही राज्यसभा पहुंचे। 1984 में वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 1986 में एक बार फिर राज्यसभा पहुंचाया।

कहाँ तुम चले गए

अग्नि की लौ को पहनकर
चल दिए उस ओर को
आँख से आँसू बहते रहे
प्रियजनों के इस ओर को
चन्दन की महक लेकर उड़ी
मद मंद वायु उस ओर को
बात उसकी ही होती रही
आपस में इस ओर को

देह पार्थिव है समर्पित
अग्नि को मोक्ष के लिए
आत्मा भी खुश बहुत है
ब्रह्म से मिलने के लिए
हाथ खाली वस्त्रहीन
कुछ भी ना लेकर वो गए
यश कीर्ति वैभव धरा पर
निर्मोह होकर धर गए

आत्मा तो प्रसन्नचित है
नव देह पाने के लिए
प्रियजन भी दाह कर रहे
कर्तव्य पालन के लिए
धूप सी जलती रही
यादों की पोटली कहीं
स्मृतियाँ महकती रही
चुपचाप मन से बस यहीं

भावों की भागीरथ बही
शिवाशीष बन गई
आत्मा तन से मुक्त होकर
परमात्मा से मिल गई
जीवन मरण के चक्र को
अग्नि ने शोषित किया
पाप पुण्य ने हिसाब कर
ब्रह्म का त्यों रूप लिया

मृत्यु है या पथिक का
अन्यत्र प्रस्थान है
सासों की सीपी में छिपी
मोतियों की पहचान है
आहुतियों के धुएँ में
घुल गई पहचान भी
नाम,रूप,व्यवहार सारे
छोड़ आई जान भी

फूल जो चढ़े थे तन पर
वो भी अब बिखर गए
जो जले थे दीप सारे
धीरे धीरे ढल गए
चल दिए फिर लौट कर
अपने अपने घर को सब
समय है बलवान साथी
ना जाने क्या हो जाये कब ।।

ज्ञानेंद्र नाथ पांडे ''सरल''
जिला आबकारी अधिकारी
मिर्जापुर

आपरेशन सिंदूर: सिर्फ बहस, जवाब गायब

राजेंद्र शर्मा

आखिरकार, संसद को पहलगाम के बैसरन में आतंकवादियों द्वारा किए गए हत्याकांड से लेकर, उसके बदले के नाम पर छेड़े गए आपरेशन सिंदूर तक पर चर्चा का मौका मिल ही गया। बेशक, इस सिलसिले में यह दर्ज किया जाना जरूरी है कि संसद को बैसरन हत्याकांड के पूरे तीन महीने और ऑपरेशन सिंदूर के भी रोके जाने के करीब ढाई महीने बाद, चर्चा का यह मौका मिला। और राष्ट्रीय सुरक्षा के इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर संसद में चर्चा होने में यह विलंब कोई संयोग का या तात्कालिक व्यस्तताओं में समय न मिल पाने का नतीजा नहीं था। यह विलंब मौजूदा सरकार ने सचेत रूप से सुनिश्चित किया था। और इसे सचेत रूप से सुनिश्चित करने में इस मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की एकजुट विपक्ष की मांग का ठुकराया जाना ही शामिल नहीं था बल्कि इसका रास्ता बनाने के लिए, एक अनोखी तिकड़म का सहारा लिया जाना भी शामिल था, जिसके तहत अब तक के संसदीय इतिहास में पहली बार, डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, संसद के आगामी सत्र की तारीखों का ऐलान किया गया था। यह एक प्रकार से शविशेष सत्रश की विपक्ष की मांग के ठुकराए जाने का भी ऐलान था। बेशक, अंततः हुई इस चर्चा को इस अर्थ में विस्तृत या विशद चर्चा कहा जा सकता है कि इसमें दोनों सदनों में सभी पक्षों को समुचित समय ही नहीं मिला, सरकार की ओर से शीर्ष स्तर से इस चर्चा का जवाब भी दिया गया। लोकसभा में खुद प्रधानमंत्री ने पौने दो घंटे से भी कुछ ज्यादा लंबा जवाब दिया, जबकि राज्यसभा में मोदी सरकार में व्यवहार में नंबर–दो माने जाने वाले, गृहमंत्री अमित शाह ने जवाब देने की जिम्मेदारी संभाली। इस बहस में सत्तापक्ष के इस पूरे प्रकरण में सफलता के दावों को जैसे बल प्रदान करने के लिए ही, लोकसभा में इस बहस के शुरू होने से सिर्फ एक दिन पहले, जम्मू–कश्मीर में एक मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया था, जिनके संबंध में गृहमंत्री ने पहले लोकसभा को और बाद में राज्यसभा को बताया कि यही तीनों बैसरन के कत्लेआम को अंजाम देने वाले आतंकवादी थे। इस दावे को प्रामाणिक बनाने के लिए गृहमंत्री ने विस्तार से फोरेंसिक लेबोरेटरी की जांच रिपोर्टों के बारे में बताया, जो इसका साक्ष्य प्रस्तुत करती थीं कि अब मारे गए आतंकवादियों की बंदूकों से ही वे गोलियां चली थीं, जिन्होंने बैसरन के घास के मैदान में 26 लोगों की जान ली थी। यह दूसरी बात है कि पर्यटकों के हत्यारों का, दहशतगर्दी की वारदात के बाद तीन महीने तक गायब रहने के बाद, गृहमंत्री के लोकसभा में भाषण से एक ठीक एक दिन पहले सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में मारा जाना, सत्तापक्ष के लिए इतना ज्यादा सुविधाजनक संयोग था कि उस पर सहज ही विश्वास नहीं हो सकता था। बहस के दौरान विपक्ष के अनेक सांसदों ने इशारों में और कुछ ने सीधे–सीधे इस संयोग पर सवाल खड़े भी किए। लेकिन, सत्तापक्ष के सभी लक्ष्यों को हासिल करने में कामयाबी के दावों के लिए, इस ऑपरेशन महादेव की कामयाबी का यह दावा बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण था। इसके महत्व का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि संसद की इस बहस के फौरन बाद, अपने चुनाव क्षेत्र वाराणसी के अपने दौरे पर प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक सभा में जोर देकर इसका दावा किया कि महादेव के आशीर्वाद से पहलगाम के बदले का अपना वादा उन्होंने पूरा कर दिया है। बैसरन से लेकर सिंदूर तक पर संसद में हुई यह बहस लंबी तो जरूर थी, लेकिन जो कुछ हुआ उस पर, उसके कारणों पर और भविष्य के लिए उसके सबकों पर, शायद ही कोई रोशनी डालती थी। संक्षेप में इसकी मूल वजह थी, सत्तापक्ष की हर तरह की जवाबदेही तथा जिम्मेदारी से बचने की कोशिश। इस कोशिश में सत्तापक्ष ने जवाबी हमले के नाम पर शोर तो बहुत उठाया लेकिन, न विपक्ष के माध्यम से उठाए गए देश तथा दुनिया भर के लोगों के सवालों का कोई वास्तविक जवाब दिया और न ही किसी तरह से अपनी जवाबदेही स्वीकार की। बहस की इस दिशा का अंदाजा एक इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री के पौने दो घंटे से भी लंबे भाषण में, विपक्ष तथा खासतौर पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर हमला करने के लिए, देश के पहले प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू का पूरे पंद्रह बार नाम लिया गया। इस बहस में सत्तापक्ष ने अपनी विफलताओं से संबंधित सवालों के जवाब देने के बजाय, विपक्ष की अतीत की कथित विफलताओं पर हमला बोलने की ही रणनीति अपनायी, जो मोदी राज की खास पहचान ही बन गयी है। बैसरन की जिस आतंकी वारदात से यह पूरी घटनाक्रम शुरू हुआ था, उसके लिए जिम्मेदार सुरक्षा चूक को लेकर, सत्तापक्ष में कोई पछतावा या मलाल होना तो दूर रहा, वह तो खुले मन से सुरक्षा चूक की बात मानने तक को तैयार नहीं था। उसने इसकी जुमलेबाजी के पीछे छुपने की कोशिश जरूर की कि आतंकवादी घुस आए तो सुरक्षा चूक तो होगी ही और हम शासन में हैं तो चूक हमारी ही कही जाएगी! इस तरह का रुख इसके बावजूद था कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद से ही निपटने और उसका शेष देश के साथ और पुख्ता तरीके से एकीकरण करने के नाम पर, 2019 के 5 अगस्त को, धारा–370 को निरस्त करने तथा जम्मू–कश्मीर को बांटकर लद्दाख उससे अलग करने तथा उसका राज्य का दर्जा समाप्त कर, उसे केंद्र शासित क्षेत्र बनाने के बाद से, साधारण पुलिस व्यवस्था समेत समूची सुरक्षा व्यवस्था, सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय से संचालित होती है।

ट्रंप के ट्रेड फतवों को खारिज कर मोदी ने अमेरिका को भारत की ताकत का अहसास करा दिया है

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर एकतरफा तरीके से भारी–भरकम टैरिफ (शुल्क) लगाने और व्यापारिक फतवों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सख्त और संतुलित रुख सामने आया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिना अमेरिका या ट्रंप का नाम लिए यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। यह एक ऐसा कदम है जो भारत की आत्मनिर्भरता, संप्रभुता और जनहित को प्राथमिकता देने का संकेत देता है। हम आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने पहले से ही भारत पर 25: शुल्क लगाया था और हाल ही में रूसी तेल की खरीदारी को लेकर अतिरिक्त 25: शुल्क जोड़ते हुए कुल 50: टैरिफ लागू कर दिए, जो किसी भी देश पर अब तक सबसे ज्यादा शुल्क है। यह सीधा–सीधा दबाव बनाने की रणनीति है ताकि भारत अपने व्यापारिक नीतियों को अमेरिकी हितों के अनुसार ढाल ले। इसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक कहा कि "भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों पर कभी समझौता नहीं करेगा। हमें इसके लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, इसकी मुझे जानकारी है, और मैं इसके लिए तैयार हूं। भारत इसके लिए तैयार है।" देखा जाये तो यह बयान न केवल साहसी था, बल्कि यह अमेरिका को एक स्पष्ट संदेश भी था कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बराबरी के स्तर पर संवाद चाहता है, न कि दबाव में। इसके साथ ही, भारत सरकार ने ट्रंप की मांगों को लेकर एक स्पष्ट 'रेड लाइन' खींच दी है। विशेष रूप से कृषि, डेयरी और जेनेटिकली मोडिफाइड (ळड) खाद्य पदार्थों के क्षेत्र में अमेरिका को बाजार में खुला प्रवेश देने से इंकार कर दिया गया है। देखा जाये तो भारत में छोटे किसान, जो जीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं, अमेरिकी कृषि उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि अमेरिका के बड़े–बड़े फार्मों को सरकार की तरफ से भारी सब्सिडी मिलती है। यदि इन उत्पादों को भारत में बिना शुल्क के आने दिया गया, तो भारतीय किसानों की आजीविका पर सीधा खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसी तरह, डेयरी सेक्टर में भी अमेरिका ने ज़ीरो ड्यूटी की मांग की है, लेकिन भारत ने इसे सिरे से नकार दिया है। भारत की डेयरी व्यवस्था लाखों छोटे पशुपालकों के जीवन से जुड़ी हुई है और यह न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक स्थायित्व से भी जुड़ा हुआ मुद्दा है। इसके अलावा, जेनेटिकली मोडिफाइड फूड एक और विवादास्पद क्षेत्र है, जहां भारत ने ट्रंप प्रशासन की ज़बरदस्ती को सख्ती से नकार दिया है। हम आपको बता दें कि भारत में जीएम फूड को लेकर वैज्ञानिक और सामाजिक चिंताएं बनी हुई हैं। अमेरिका की तरफ से ऐसे खाद्य पदार्थों के निर्यात पर दबाव बनाया गया,

जबकि भारत ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अस्वीकार्य माना। वहीं तेल की खरीद को लेकर भी भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह निर्णय भारत की ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर बाजार आधारित तरीकों से लिया गया है, न कि किसी एक देश को लाभ पहुंचाने के लिए। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति में एक तरफा लाभ लेने की प्रवृत्ति दिखती है। उन्होंने जिन अन्य देशों के साथ समझौते किए, वहां भी टैरिफ कम करने के बदले कोई ठोस रियायत नहीं दी। भारत के साथ भी ट्रंप प्रशासन ने 10: से 20: तक के अतिरिक्त शुल्क इस्पात, एल्युमिनियम, ऑटोमोबाइल्स आदि पर लगाए, जबकि भारत से उन्होंने पूर्ण टैक्स माफी की मांग की। भारत ने अमेरिका को तेल, खाद, रक्षा उपकरण आदि की खरीद का प्रस्ताव दिया जिससे व्यापार घाटा संतुलित किया जा सके, परंतु ट्रंप ने इसे 'अपर्याप्त' कहकर नकार दिया। जहां तक प्रधानमंत्री मोदी के बयान की बात है तो उनका यह रुख केवल एक कूटनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक स्वतंत्रता, कृषि आधारित समाज की सुरक्षा और रणनीतिक दृष्टिकोण की रक्षा का एक मजबूत संकेत है। ट्रंप को समझना होगा कि भारत अब वैश्विक मंच पर केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एक आत्मनिर्भर, आत्मसम्मान से युक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की व्यापारिक धमकियों को प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह सिरे से नकारते हुए अपने देश के किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों की रक्षा की है, वह न केवल अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका है, बल्कि यह भारत की सशक्त विदेश नीति की एक मिसाल भी बन गया है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप की व्यापारिक धमकियों के आगे न झुकते हुए भारत के किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों की रक्षा का संकल्प लिया है। यह रुख भारत के आत्मसम्मान और राष्ट्रीय हितों की रक्षा का स्पष्ट प्रमाण है, जो अमेरिका सहित पूरी दुनिया को भारत की नई कूटनीतिक शैली का संदेश देता है। साथ ही प्रधानमंत्री का स्पष्ट बयान यह भी दर्शाता है कि भारत संवाद में विश्वास रखता है अगर कोई धमकी या फतवा देगा तो भारत करारा जवाब देगा।

सलमान खान की वार्निंग को ताक पर रख मेकर्स ने उठाया बड़ा कदम,बिग बॉस 19 में करवा रहे हैं भाईजान की दुश्मन की एंट्री

साल 2016 में बिग बॉस सीजन 10 ऑन–एयर हुआ था। शो की टीआरपी ने आसमान छुए थे। सीजन के विनर मनवीर गुर्जर बने थे लेकिन स्वामी ओम से लेकर मनु पंजाबी, बानी जे, लोपा मुद्रा राउत जैसे कंटेस्टेंट्स भी कम नहीं थे। सबने भर–भरकर मसाला दिया था लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान प्रियंका जग्गा ने खींचा था। जिनको सलमान खान ने पलभर में शो से बेइज्जत करके निकाल दिया था। अब खबर है कि वह वापस आ रही हैं। उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी है। प्रियंका जग्गा ने 5 अगस्त की सुबह 8.21 बजे फेसबुक पर एक पोस्ट किया। उसमें सलमान खान की फोटो के साथ लिखा–मैं नहीं जानती कि सबसे पहले किसे शुक्रिया कहूं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं। मेरे मन में हमेशा उन लोगों के लिए ढेर सारी इज्जत रही है जो माफ कर देते हैं और भूल जाते हैं। ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। टीम को पर्दे के पीछे के लोगों को और उन सभी को जिन्होंने माना कि मैं फिर से इस शो का हिस्सा बन सकती हूं– तहे दिल से शुक्रिया। नया सीजन बस 2–3 हफ्तों में शुरू हो रहा है... और इस बार श्राजनीतिश एक अलग ही एनर्जी के साथ आ रही है। देखते हैं यह सफर हमें कहां ले जाता है। प्रियंका जग्गा ने 4 अगस्त की दोपहर 3 बजे एक और पोस्ट किया था। उसमें भी सलमान खान की फोटो के साथ लिखा था–10 साल पहले मैं बिग बॉस नाम के शो का हिस्सा था। इसने मेरी जिंदगी बदल दी लेकिन यह सब आसान नहीं था। मेरा होस्ट सलमान खान से झगड़ा हो गया था। और मैं चली गई। शो से। ग्लैमर की दुनिया से। शोरगुल से। लेकिन अब अचानक से... बिग बॉस ने फिर से बुलावा भेजा है। हां इस सीजन में। वो मुझे वापस चाहते हैं। यह सीजन पूरी तरह से राजनीति पर आधारित है। बात यह है कि मैरे जख्म भर गए हैं। मैंने एक नया जीवन बनाया है। मैं अब लाइमलाइट या सुर्खियों का पीछे नहीं भाग रही लेकिन यह ऑफर एक बड़ी सफलता जैसा लगता है। शोहरत के लिए नहीं। पर शायद किसी नतीजे पर पहुंचने के लिए। शायद हिम्मत के लिए। शायद किसी और चीज के लिए। मै टूट चुकी हूं। क्या मुझे हां कह देना चाहिए? या शांति से वहां

> प्रियंका जग्गा ने ५ अगस्त की सुबह ८.२१ बजे फेसबुक पर एक पोस्ट किया। उसमें सलमान खान की फोटो के साथ लिखा-मैं नहीं जानती कि सबसे पहले किसे शुक्रिया कहूं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं। मेरे मन में हमेशा उन लोगों के लिए ढेर सारी इज्जत रही है जो माफ कर देते हैं और भूल जाते हैं। ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। टीम को पर्दे के पीछे के लोगों को और उन सभी को जिन्होंने माना कि मैं फिर से इस शो का हिस्सा बन सकती हूं- तहे दिल से शुक्रिया।

से चला जाना चाहिए? मुझे अपने दिल से बताओकृतुम क्या सोचते हो? बता दें कि सलमान खान के साथ जब प्रियंका जग्गा ने बदतमीजी की थी तो सलमान खान ने कहा था, मैं कलर्स टीवी से अनुरोध करता हूं कि उन्हें कभी भी इस शो में वापस न लाया जाए। सिर्फ इस शो में ही नहीं बल्कि इस चौनल पर भी। अगर वह कभी इस चौनल पर आती हैं तो मैं कलर्स के साथ फिर कभी काम नहीं करूंगा। अब ऐसे में सवाल ये उठता है क्या सलमान अपना वादा भूल गए हैं या फिर ये कोई मास्टरस्ट्रोक है?

वरुण धवन ने पूरी की 'बॉर्डर 2' की शूटिंग, टीम ने स्वर्ण मंदिर में की अरदास

2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' की टीम ने सेट पर एक खास पल साझा किया, जब अभिनेता वरुण धवन ने फिल्म की अपनी शूटिंग पूरी की। इस मौके पर अभिनेत्री मेधा राणा, प्रोड्यूसर भूषण कुमार, को–प्रोड्यूसर शिव चनाना, बिन्नॉय के. गांधी और डायरेक्टर अनुराग सिंह भी मौजूद रहे। शूटिंग के इस इमोशनल फेयरवेल के बाद टीम अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पहुंची, जहां उन्होंने चल रहे शेड्यूल के बीच आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में शूटिंग रैप–अप का जश्न और स्वर्ण मंदिर की पवित्र यात्रा दोनों ही लम्हों को कैद किया गया है। इस मौके पर टीम ने अपनी अब तक की यात्रा के लिए आभार जताया और आगे की शूटिंग के लिए उत्साह साझा किया। यह यात्रा एक खास माइलस्टोन भी रही, क्योंकि वरुण धवन ने फिल्म में अपनी शूटिंग पूरी कर ली, जिससे 'बॉर्डर 2' के इस अहम और भावनात्मक अध्याय का समापन हुआ। अब टीम इस पवित्र यात्रा की ऊर्जा और आशीर्वाद के साथ फिल्म के आखिरी चरण की ओर बढ़ रही है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता द्वारा प्रोड्यूस की जा रही और अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित 'बॉर्डर 2' को गुलशन कुमार और टी–सीरीज पेश कर रहे हैं, जो जेपी दत्ता की जेपी फिल्म्स के साथ मिलकर बनाई जा रही है। यह सीक्वल भारतीय सैनिकों की वीरता और अडिग जज्बे को सलाम करने की विरासत को आगे बढ़ाता है और दर्शकों को देशभक्ति, साहस और बलिदान की शानदार यात्रा पर ले जाने का वादा करता है।

युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद क्या धनश्री वर्मा कर रही है प्रतीक उटेकर को डेट? कोरियोग्राफर ने किया रिएक्ट

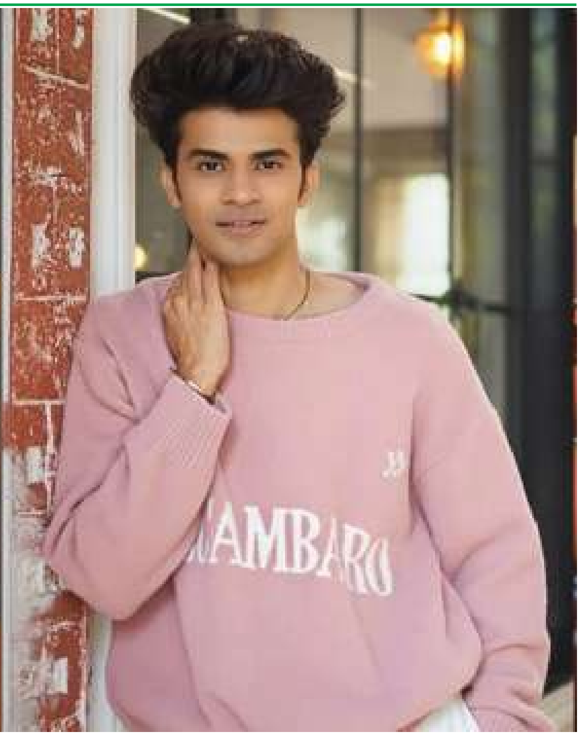

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक की अफवाहें तब से इंटरनेट पर छाई हुई हैं जब से इस स्टार खिलाड़ी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी पत्नी की तस्वीरें डिलीट की हैं। इसी बीच, कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर के साथ धनश्री वर्मा की एक पुरानी तस्वीर वायरल हो गई, जिसकी इंटरनेट पर खूब आलोचना हुई। तस्वीर में धनश्री और प्रतीक काले रंग के कपड़ों में एक साथ दिखाई दे रहे हैं। वे दिल खोलकर मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। इंटरनेट पर यह भी अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या धनश्री प्रतीक उटेकर को डेट कर रही हैं। वहीं दूसरी तरफ युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा जब से अलग हुए हैं, तब से युजवेंद्र चहल आरजे महवश के साथ डेटिंग करने की अफवाहें सुर्खियां बटोर रही हैं। धनश्री वर्मा के नए साल के जश्न से, कोरियोग्राफर की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें वह प्रतीक उटेकर के साथ सहज दिख रही थीं। तस्वीर में दोनों एक–दूसरे को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे थे। इस तस्वीर ने नेटिज़न्स को चौंका दिया, कई लोग सोच रहे थे कि क्या धनश्री प्रतीक को डेट कर रही हैं। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि प्रतीक उटेकर मुंबई के एक कोरियोग्राफर हैं, जिन्होंने एक प्रतियोगी से कोरियोग्राफर बनने का सफर तय किया है। उन्होंने डांस दीवाने जूनियर और नच बलिए 7 जीता है। प्रतीक ने फिल्म इंडस्ट्री के कुछ बड़े नामों के साथ काम किया है, जिनमें सलमान खान, प्रियंका चोपड़ा, माधुरी दीक्षित और नोरा फतेही शामिल हैं। जैसे ही उनके कथित अफेयर की खबरें फैलीं, प्रतीक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर एक रहस्यमयी संदेश लिखा, जो इंटरनेट पर तंज कस रहा था। उन्होंने लिखा, दुनिया इतनी आज़ाद है कि कहानियाँ बनाने, कमेंट करने और जो कुछ भी देखती है उसकी सिर्फ़ एक तस्वीर डीएम करने के लिए... समझदार बनो दोस्तों।

प्रतीक उतेकर कौन हैं?

प्रतीक उतेकर मुंबई के एक कोरियोग्राफर हैं। वह भारतीय टेलीविज़न और बॉलीवुड में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने सलमान खान और प्रियंका चोपड़ा जैसे कई सितारों के साथ काम किया है। हालाँकि, धनश्री से उनकी पहली मुलाक़ात और दोस्ती के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है।

धनश्री–चहल कब और क्यों अलग हुए?

धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल, जिन्होंने 2020 में शादी की थी, अब तलाक ले चुके हैं। 20 मार्च को उनका तलाक हो गया था और वे 18 महीने से अलग रह रहे थे। तलाक के दिन, चहल के वकील नितिन कुमार गुप्ता ने एएनआई से पुष्टि की, ष्अदालत ने तलाक का आदेश दे दिया है और दोनों पक्ष अब पति–पत्नी नहीं हैं। चहल और धनश्री दोनों ने अपने अलगाव की पुष्टि करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने अलगाव के कारण के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी। हालाँकि, वरिष्ठ पत्रकार विक्की लालवानी की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उनके निवास स्थान को लेकर मतभेद उनके तलाक का मुख्य कारण था। उनके अनुसार, शादी के बाद, चहल और धनश्री शुरुआत में हरियाणा में चहल के माता–पिता के साथ रहने चले गए। लेकिन कुछ ही दिनों में, धनश्री ने मुंबई जाने की इच्छा जताई, जो चहल को पसंद नहीं आया।

बहुत नजर लगती है धनुष संग डेटिंग की खबरों के बीच मृणाल ठाकुर का पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखने पर बयान

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन दिनों पर्सनल और प्रोफैशनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 रिलीज हुई। इसके साथ ही एक्ट्रेस का नाम धनुष के साथ जुड़ रहा है। कुछ दिनों से मृणाल ठाकुर और तलाकशुदा एक्टर धनुष के रिलेशनशिप की खबरें छाई हुई हैं। इन सबके बीच एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में कहा कि वो अपनी लाइफ को लाइमलाइट से दूर और सीक्रेट रखना पसंद करती है। इस दौरान उन्होंने बताया कि वो क्यों अपनी जिंदगी के बारे में ज्यादा शेयर करने से बचती हैं। वो कहती हैं– मेरे करियर में अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है, कई चीजें हैं जो मैंने अभी तक हासिल नहीं की हैं लेकिन मैं उन चीजों के बारे में तब बात करूंगी जब मैं असल में उन्हें कर लूंगी क्योंकि मैं उनपर बात करके उन्हें नजर नहीं लगाना चाहती हूं। मुझे बुरी नजर पर विश्वास है बहुत नजर लगती है। उन्होंने आगे कहासीमाएं जरूरी हैं। किसी को अपने बारे में बात करने से पहले सोचना चाहिए। आपको नियंत्रित करना चाहिए कि आप दुनिया को कितना बता रहे हैं।कभी–कभी हम उन चीजों के बारे में बात कर देते हैं जो हम करना चाहते हैं या वर्तमान में कर रहे हैं और हम खुद ही उन्हें जिंक्स कर देते हैं। मेरी इस मामले में बहुत अलग पर्सनैलिटी है। बहुत लोग आने वाले साल की रिलीज के बारे में बात कर सकते हैं लेकिन मैं नहीं करती हूं।

काजोल ने हिंदी में बोलने से किया इनकार, रिपोर्टर पर भड़कीं कहा– जिसे समझना होगा समझेगा...

काजोल हिंदी मराठी विवादः ऐसे समय में जब आधा देश भाषा पर बहस कर रहा है, काजोल द्वारा हिंदी में सवालों के जवाब देने से इनकार करने पर इंटरनेट पर बवाल मच गया है। महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कारों में, सरज़मीन अभिनेत्री ने मराठी और अंग्रेजी में अपना भाषण दिया। जब एक मीडियाकर्मी ने उनसे इसे हिंदी में दोहराने का अनुरोध किया, तो उन्होंने रूखेपन से मना कर दिया।

काजोल ने हिंदी में बात करने से किया इनकार

हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में काजोल ने हिंदी में बात करने से इनकार कर सबको चौंका दिया। यह सब तब शुरू हुआ जब एक पत्रकार ने उनसे हिंदी में कुछ कहने के लिए कहा क्योंकि बॉलीवुड अभिनेत्री मराठी में मीडिया को संबोधित कर रही थीं। इससे काजोल नाराज़ हो गईं और उन्होंने गुस्से में कहा, क्या मुझे अब हिंदी में कहना चाहिए? जो समझना चाहता है, समझ जाएगा! कुछ ही समय में, यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और नेटिज़न्स ने काजोल के व्यवहार पर निराशा व्यक्त की। कई उपयोगकर्ताओं ने अभिनेत्री की टिप्पणी की निंदा की और उन्हें हिंदी फिल्म उद्योग में काम करना बंद करने के लिए कहा। एक यूज़र ने लिखा, अगर उन्हें हिंदी भाषा में बात करने में असहजता और शर्म महसूस होती है, तो उन्हें बॉलीवुड की हिंदी फ़िल्मों में काम करना बंद कर देना चाहिए। उन्हें अपने दोहरे मापदंड छोड़ने चाहिए। एक अन्य ने लिखा, ष्वह हिंदी फ़िल्मों में काम क्यों कर रही हैं? उन्हें सिर्फ़ मराठी फ़िल्मों में ही काम करना चाहिए। अगर वे हिंदी का सम्मान नहीं करते और उससे नफ़रत करते हैं, तो आपकी फ़िल्म का हिंदी में अनुवाद क्यों करते हैं? एक व्यक्ति ने कहा, वे यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय सिनेमा और हिंदी फिल्मों ने ही उन्हें स्टारडम दिया है और एक ही भाषा के प्रति पक्षपात क्यों किया जा रहा है। उन्हें गैर–हिंदी फिल्में करनी चाहिए थीं, जिन्हें समझना और देखना होता है, वो फिल्म देख लेते। गौरतलब है कि काजोल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब महाराष्ट्र में भाषा को लेकर एक नई बहस छिड़ी हुई है – अगर आप राज्य में रहते हैं तो मराठी बोलें। यह सब इस साल अप्रैल में शुरू हुआ जब महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का फ़ैसला सुनाया। हालाँकि इस फ़ैसले को वापस ले लिया गया था, लेकिन कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं जहाँ कथित मनसे कार्यकर्ताओं की मुंबई और पुणे में उन लोगों से तीखी बहस हुई जिन्होंने मराठी बोलने से इनकार कर दिया था। इससे पहले, अभिनेत्री रेणुका शहाणे ने भी भाषाई संघर्ष के बढ़ते मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त की और कहा, ष्अगर आप किसी जगह पर बहुत लंबे समय से रह रहे हैं, तो स्थानीय भाषा, स्थानीय संस्कृति को समझना और किसी भी चीज़ से ज़्यादा उसका सम्मान करना अच्छी बात है... बात सिर्फ़ बोलने की नहीं, बल्कि उसका सम्मान करने की इच्छा की है। मुझे ऐसे लोग पसंद नहीं हैं जो स्थानीय भाषा और स्थानीय संस्कृति के साथ तालमेल बिठाने की ज़रूरत महसूस नहीं करते।

इस पीले फूल के बीज में छिपा है सेहत का खजाना, शरीर को मिलेंगे कमाल के फायदे

सूरजमुखी के बीज एक पौष्टिक स्नैक हैं जो आपके आहार में आवश्यक विटामिन और खनिज जोड़ सकते हैं। इनका नियमित सेवन विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। इन्हें खाने से निम्नलिखित विटामिन और पोषक तत्व मिलते हैं। चलिए जानते हैं इसे किस तरह अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

सूरजमुखी के बीज खाने के लाभ

हृदय स्वास्थ्यः सूरजमुखी के बीज में फाइटोस्टेरोल्स और हेल्दी फैट्स (जैसे मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स) होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकते हैं और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं।

वजन प्रबंधनः फाइबर और प्रोटीन की उच्च मात्रा भूख को कम करने में मदद करती है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराती है।

त्वचा और बालों का स्वास्थ्यः विटामिन ई और एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखते हैं, और बालों को मजबूत और चमकदार बनाते हैं।

हड्डियों का स्वास्थ्यः मैग्नीशियम, कैल्शियम, और अन्य खनिज हड्डियों को मजबूत करते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्थितियों से बचाव करते हैं।

पाचन सुधारः फाइबर पाचन स्वास्थ्य को सुधारता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनानाः सेलेनियम और अन्य विटामिन प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं, जिससे बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

सूरजमुखी के बीज खाने के तरीके

– आप सूरजमुखी के बीज को सीधे खा सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर खाने से इनका स्वाद और भी बेहतर हो जाता है।

– सलाद में क्रंच और न्यूट्रिशन जोड़ने के लिए आप सूरजमुखी के बीज डाल सकते हैं।

– स्मूदीज में सूरजमुखी के बीज डालकर उन्हें और पौष्टिक बना सकते हैं।

– अपने ब्रेकफास्ट सीरियल या ओट्स में सूरजमुखी के बीज मिलाकर खा सकते हैं।

– योगर्ट के ऊपर सूरजमुखी के बीज डालकर स्नैक या डेजर्ट के रूप में खा सकते हैं।

– बेक्ड गुड्स जैसे ब्रेड, मफिन्स, और कुकीज में सूरजमुखी के बीज का उपयोग कर सकते हैं।

हरियाली तीज, घर बनाएं स्वादिष्ट नारियल की खीर, नोट करें रेसिपी

सावन की हरियाली तीज का त्योहार 7 अगस्त 2024 यानी कल है। यह त्योहार महिलाओं के लिए सबसे स्पेशल होता है। महिलाएं इस त्योहार के लिए काफी समय से तैयारी करती हैं। इस दिन साज श्रृंगार के अलावा महिलाएं अलग–अलग तरह की टेस्टी डिशेज बनाई जाती है। तीज के दिन घर में मीठा बनाना काफी शुभ होता है। हरियाली तीज के दिन आप भी घर में नारियल की खीर बना सकते हैं। यहां पर नारियल की खीर बनाने का तरीका बता रहे हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

नारियल की खीर बनाने के लिए सामग्री

– 100 ग्राम चावल
– 3 टिन नारियल का दूध
– 1 टिन मिल्कमेड
– 200 ग्राम खोया
– 1 चम्मच सौंफ पाउडर
– 1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
– 1 छोटा चम्मच दालचीनी पाउडर
– कुछ केसर के रेशे
– एक मुट्ठी पिस्ता, अखरोट
– स्वादानुसार चीनी या गुड़

नारियल की खीर बनाने की विधि

– सबसे पहले चावल को करीब 15 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद नारियल का दूध, मिल्कमेड, चीनी, केसर और खोया को मिलाएं। इसे मिक्स कर लें और बाद में दालचीनी, इलायची और सौंफ पाउडर डालकर उबाल लें।

– जब दूध पक जाएं तो उसमें चावल डाल दें। अब इसे ठंडा होने के लिए रख दें।

– अब पैन में घी डालें और उसमें पिस्ता और अखरोट डालें, दोनों को सेक कर एक तरफ रख लें। –जब ये दोनों चीजें ठंडी तो मेवा को दरदरा पीस लें।

– फिर खीर में इस पाउडर को मिलाएं और सर्व करें।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ठीक नहीं सोशल मीडिया, एक नहीं इसके हैं कई साइड इफेक्ट्स

हाल ही में कई राजनेताओं ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के आह्वान का समर्थन किया है। वर्तमान में, ऑस्ट्रेलिया में 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करने की अनुमति नहीं है। शोध बताते हैं कि सोशल मीडिया कुछ युवाओं के लिए मददगार हो सकता है, उदाहरण के लिए उन्हें समान विचारधारा वाले साथियों से जोड़ने के संबंध में। हालांकि सोशल मीडिया के इस्तेमाल की उम्र बढ़ाने के बारे में किए गए इस प्रस्तावित परिवर्तन के कई कारण हैं। सबसे महत्वपूर्ण कारण स्क्रीन समय और सोशल मीडिया के उपयोग से बच्चों और युवाओं में अवसाद और चिंता सहित खराब मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

सोशल मीडिया से होता है ये नुकसान

सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग मनोवैज्ञानिक भलाई के कई क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा सकता है। जैसे–जैसे आप वयस्कता की ओर बढ़ते हैं, आप तय करते हैं कि आप कौन हैं, आप क्या बनना चाहते हैं, आप किन अंतर्निहित मूल्यों के लिए खड़े हैं और आप जीवन से क्या चाहते हैं। लेकिन क्या सोशल मीडिया इस प्रक्रिया को खतरे में डाल सकता है? एक पहचान विकसित करना लगभग 11 से 15 वर्ष की आयु के बीच, मानव मस्तिष्क साथियों के ध्यान और प्रतिक्रिया के प्रति तेजी से संवेदनशील हो जाता है।

युवा लोग सोशल मीडिया पर हो रहे हैं प्रभावित

परिप्रेक्ष्य, निर्णय, आलोचनात्मक सोच और आत्म–नियंत्रण विकसित करने के लिए जिम्मेदार मस्तिष्क के हिस्से किसी व्यक्ति के शुरुआती 20 वर्ष की आयु तक पूरी तरह से परिपक्व नहीं होते। किशोर हमेशा अपनी तुलना दूसरों से करते हैं। वे साथियों से मान्यता चाहते हैं क्योंकि वे अपने मूल्यों का पता लगाते हैं, अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं और खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं। लेकिन सोशल मीडिया ने किशोरों के लिए एक मंच प्रदान किया है – विशेष रूप से वे जो एफओएमओ में उच्च हैं, या अलग–थलग हो जाने का डर रखते हैं–इस बात पर ध्यान देने के लिए कि वे कई अन्य लोगों से तुलना कैसे करते हैं, जिनमें नामी प्रभावक भी शामिल हैं। युवा लोग सोशल मीडिया पर जो देखते हैं उसके आधार पर अपनी कई तरह की राय विकसित कर रहे हैं। किसी व्यक्ति की अन्य लोगों की राय के अनुरूप होने की प्रवृत्ति को कभी–कभी बैंडवैगन प्रभाव कहा जाता है। जबकि सोशल मीडिया की बहुत सारी सामग्री काफी हद तक हानिरहित हो सकती है, सोशल मीडिया–वास्तविक दुनिया की तरह–तेजी से राजनीतिक और ध्रुवीकृत होता जा रहा है, जिसमें विरोधी विचारों के प्रति बहुत कम सहनशीलता है।

सोशल मीडिया के आधार पर बनाई जाती है राय

अधिकांश लोग सार्वजनिक रूप से या किसी अज्ञात लोगों के समूह में अपनी वास्तविक राय या मूल्यों को अपने तक ही सीमित रखने को महत्व दे सकते हैं। एक बार जब हम आश्वस्त हो जाते हैं कि हमारे बोलने के तरीके और अंतर्निहित मूल्य प्रणालियों को गलत नहीं समझा जाएगा, तो हम धीरे–धीरे खुद को प्रकट करना शुरू कर देते हैं।आजकल हम किशोरों की पूरे जीवन की किताब सार्वजनिक मंच पर खुली देखते हैं, जिससे स्व चिंतन जैसा विचार अनिवार्य रूप से पीछे छूट जाता है। वे न केवल सोशल मीडिया पर जो देखते हैं उसके आधार पर अपनी कई राय विकसित कर रहे हैं, बल्कि वे अक्सर उन्हें तुरंत ऑनलाइन प्रसारित भी करते हैं। बाद में, उन्हें इन विचारों का बचाव करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

किशोरावस्था के लिए हानिकारक हो सकता है सोशल मीडिया

24/7 आभासी दुनिया में, आज के किशोरों के लिए ऑनलाइन जो कुछ भी देख रहे हैं उसके बारे में गंभीर रूप से सोचने, आत्म–चिंतन करने, अन्वेषण करने और अपना मन बदलने का अवसर कम है। अपनी पहचान बनाने के लिए गलतियां करने, सीमाओं का परीक्षण करने, विचारों का पता लगाने और जानकारी का विश्लेषण करने की बहुत कम गुंजाइश है। ये चिंताएं उन कारणों में से हैं जिनके कारण कई चिकित्सा विशेषज्ञ, माता–पिता और राजनेता समान रूप से बच्चों के लिए सोशल मीडिया तक पहुंच को सीमित करना चाहते हैं। जबकि सोशल मीडिया 16 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए हानिकारक हो सकता है, किशोरावस्था का पहला भाग एक बढ़ते बच्चे की पहचान और आत्म–मूल्य के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समय है। शोध से पता चला है कि किशोरावस्था में पहचान में गड़बड़ी – अनिवार्य रूप से स्वयं की अस्थिर भावना–वयस्कता में व्यक्तित्व विकारों का एक बड़ा कारण बन सकती है। हम अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि सोशल मीडिया पर जीवन पहचान विकसित करने में क्या भूमिका निभाता है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि हम इस क्षेत्र का पता लगाना जारी रखें।

आयरन की कमी को दूर करेंगे ये 5 जूस, डाइट में शामिल करें

शरीर के लिए आयरन बेहद जरुरी है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन का मात्रा को बढ़ाता है, जिससे ब्लड में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर तरीके से करता है। अगर शरीर में पर्याप्त आयरन नहीं होगा तो खून नहीं बनेगा, जिसके चलते शरीर में कमजोरी भी आ जाती है। स्वस्थ शरीर के लिए ही हीमोग्लोबिन सही मात्रा में होना जरुरी है। ऐसे में शरीर में आयरन की मात्रा को बढ़ाने के लिए डाइट में इन जूस को जरुर शमिल करें।

ऑरेंज जूस

शरीर में आयरन की कमी को दूर करता है ऑरेंज जूस। ऑरेंज जूस के सेवन से शरीर इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। संतरे का जूस आप घर पर भी बना सकते हैं। ऑरेंज जूस पीने से शरीर की इम्यूनिटी भी स्ट्रांग होती है। इसके लिए आप 3 संतरा लें और इसका जूस निकालकर इसमें काला नमक और पुदीना मिलाकर पी लें।

मिक्स वेज जूस

आयरन के लिए मिक्स वेज जूस का बना सकते हैं। सब्जियों शरीर में फाइबर और विटामिन–सी का मात्रा पूरा करता है। जूस बनाने के लिए आंवला, लौकी और शहद डालकर पीस लें। फिर इसमें बर्फ के टुकड़े को मिलाकर पी लें। यह सेहत के लिए काफी हेल्दी है। इसके पीने से आयरन काफी तेज बढ़ेगा।

पालक और पुदीने के जूस

पालक और पुदीना बेहद हेल्दी होता है। पालक और पुदीने का जूस शरीर में आयरन की मात्रा को बढाने का काम करता है। यह जूस सुबह खाली पेट पीने से शरीर के लिए फायदेमंद है। पालक और पुदीना के जूस में विटामिन ए और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो वजन को कम करने के लिए मदद करता है।

चुकंदर का जूस

आयरन बढ़ाने के लिए चुकंदर का जूस पीने से शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ती है। इसके साथ ही चुकंदर फोलेट, मैंग्नीज, पोटैशियम और विटामिन–सी जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

हलीम ड्रिंक

हलीम ड्रिंक का सेवन करने से आयरन की कमी दूर होती है। इसके साथ ही, इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की एनर्जी को बढ़ाने में मदद करता है।

दिल्ली की भागदौड़ से जल्दी छुटकारा, फ्राइडे जाकर सडे वापस आएं

दिल्ली में रहना, जहाँ हमेशा भागदौड़ रहती है, थका देने वाला हो सकता है। सौभाग्य से, यहाँ कई शांत और मनोरम वीकेंड गेटअवे हैं जो शहर की अराजकता से बचने का एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये गंतव्य दिल्ली से बहुत दूर नहीं हैं। बल्कि 2–3 दिन में आप यहां पर जाकर शांति से रह सकते हैं। फ्राइडे नाइट जाकर और संडे वापस आ सकते हैं।

जयपुर

ऐसी ही एक जगह है जयपुर, जिसे गुलाबी शहर के नाम से भी जाना जाता है। दिल्ली से लगभग 280 किलोमीटर दूर स्थित जयपुर इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला का खजाना है। यह शहर अपने राजसी किलों और महलों, जैसे कि अंबर किला, सिटी पैलेस और हवा महल के लिए प्रसिद्ध है। जयपुर की यात्रा शाही विरासत और जीवंत स्थानीय बाजारों का मिश्रण प्रदान करती है, जहाँ आप पारंपरिक राजस्थानी शिल्प और वस्त्रों की खरीदारी कर सकते हैं। शहर का समृद्ध इतिहास और रंगीन वातावरण इसे एक बेहतरीन वीकेंड गेटअवे बनाता है।

आगरा

एक और शानदार विकल्प आगरा है, जहाँ प्रतिष्ठित ताजमहल स्थित है। दिल्ली से लगभग 230 किलोमीटर दूर स्थित आगरा मुगल इतिहास से भरा शहर है। दुनिया के सात अजूबों में से एक ताजमहल अपनी लुभावनी सुंदरता और वास्तुकला की चमक के लिए ज़रूर जाना चाहिए। ताजमहल के अलावा, आगरा में आगरा किला और फतेहपुर सीकरी जैसे अन्य ऐतिहासिक चमत्कार भी हैं। आगरा की यात्रा भारत के समृद्ध इतिहास को जानने और इसके कुछ सबसे शानदार स्मारकों को देखने का मौका देती है।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

जो लोग ज़्यादा शांत और प्रकृति–केंद्रित छुट्टी पसंद करते हैं, उनके लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है। दिल्ली से लगभग 250 किलोमीटर दूर स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव उत्साही और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग है। यह पार्क राजसी बंगाल टाइगर सहित वनस्पतियों और जीवों की विविध प्रजातियों का घर है। आगंतुक रोमांचकारी जीप सफारी पर जा सकते हैं, पार्क के हरे–भरे जंगलों की खोज कर सकते हैं और रामगंगा नदी की शांत सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क प्रकृति के बीच रोमांच और विश्राम का एक आदर्श मिश्रण प्रदान करता है। अंत में, ये वीकेंड गेटअवे दिल्ली की व्यस्त जिंदगी से एक ताज़गी भरा ब्रेक देते हैं। चाहे आप जयपुर की शाही विरासत को देखना चाहें, आगरा की वास्तुकला के अजूबों को देखना चाहें या जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की प्राकृतिक खूबसूरती में डूब जाना चाहें, हर जगह एक अनोखा और यादगार अनुभव देने का वादा करता है। तो, अपना बैग पैक करें और शहर की हलचल को पीछे छोड़कर कुछ दिनों के लिए शांति और रोमांच के लिए आराम और तरोताजा होने के लिए एक त्वरित यात्रा पर निकल पड़ें।

अमृतसर

अमृतसर पंजाब के मध्य में एक प्रमुख वाणिज्यिक और सांस्कृतिक केंद्र है और हरमंदिर साहिब का घर है, जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। वाघा सीमा भी है जहा परेड होगी है। साथ ही खाने की काफी अच्छी चीजें हैं। यहां की हरियाली खेल खलिहान आपका मन मोह लेगी।919 में अमृतसर नरसंहार के स्थल जलियांवाला बाग भी यहीं पर हैं।

संक्षिप्त

रुपया 16 पैसे की तेजी के साथ 87.72 प्रति डॉलर पर बंद

डॉलर में उतार–चढ़ाव और भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दर को स्थिर रखने के फैसले से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बुधवार को रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरकर 16 पैसे की मजबूती के साथ 87.72 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, नकारात्मक घरेलू शेयर बाजार और भारत पर अमेरिकी शुल्क को लेकर अनिश्चितताओं ने स्थानीय मुद्रा के लाभ को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.72 पर खुला। दिन में 87.63 से 87.80 प्रति डॉलर के दायरे में घट–बढ़ के बाद अंत में यह 87.72 पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की मजबूती दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया था और 22 पैसे की गिरावट के साथ 87.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसका पिछला न्यूनतम बंद स्तर 87.80 (प्रति डॉलर) का स्तर 30 जुलाई को दर्ज किया गया था। रुपये ने डॉलर के मुकाबले 87.95 के दिन के कारोबार के अपने सबसे निचले स्तर को भी छुआ था। लगातार तीन बार ब्याज दरों में कटौती के बाद, भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को नीतिगत दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया तथा शुल्क अनिश्चितताओं पर चिंताओं के बीच तटस्थ रुख बरकरार रखा। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 98.79 पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 166.26 अंक की गिरावट के साथ 80,543.99 अंक पर जबकि निफ्टी 75.35 अंक फिसलकर 24,574.20 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.62 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने बुधवार को शुद्ध रूप से 4,999.10 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ट्रंप की कंप्यूटर चिप्स पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह कंप्यूटर चिप्स पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। अगर ऐसा हुआ तो अमेरिका में डिजिटल युग को गति देने वाले प्रोसेसर पर निर्भर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, घरेलू उपकरणों और दूसरे जरूरी उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक के साथ बैठक के दौरान कहा, हम चिप्स और सेमीकंडक्टर पर लगभग 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। उन्होंने साथ ही जोड़ा, ...लेकिन अगर आप अमेरिका में निर्माण कर रहे हैं, तो कोई शुल्क नहीं लगेगा। यह घोषणा ट्रंप के अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों को शुल्क से अस्थायी छूट देने के तीन महीने से भी अधिक समय बाद आई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में कंप्यूटर चिप्स बनाने वाली कंपनियों को आयात कर से छूट दी जाएगी। कोविड–19 महामारी के दौरान कंप्यूटर चिप्स की कमी ने ऑटोमोबाइल की कीमतों में वृद्धि की और मुद्रास्फीति को बढ़ावा दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण आज से प्रभावी

भारत से आयात पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण बृहस्पतिवार से लागू हो गया। पिछले सप्ताह, व्हाइट हाउस ने घोषणा की थी कि भारत को 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद ट्रंप ने एक शासकीय आदेश जारी किया था जिसमें यह सूची थी कि अमेरिका दुनिया भर के विभिन्न देशों से आयात पर कितना शुल्क लगाएगा।

25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण आज से प्रभावी

ट्रंप ने एक शासकीय आदेश में करीब 70 देशों के लिए शुल्क दरों की घोषणा की थी। भारत पर 25 प्रतिशत ''जवाबी शुल्क'' बृहस्पतिवार से प्रभावी हो गया। पिछले सप्ताह घोषित 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर और 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया, जिससे भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है जो कि अमेरिका द्वारा किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। यह अतिरिक्तशुल्क 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा।

भारत, रूस से तेल खरीद के मामले में चीन के 'बहुत करीब' है

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत, रूस से तेल खरीद के मामले में चीन के ''बहुत करीब'' है और उसे 50 प्रतिशत शुल्क देना होगा। साथ ही ट्रंप ने संकेत दिया कि ''अतिरिक्त प्रतिबंध देखने को मिलेंगे।'' ट्रंप ने बुधवार को 'ओवल कार्यालय' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय) में कहा, ''जैसा कि आप जानते हैं कि हमने तेल को लेकर भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है। वे दूसरे सबसे बड़े खरीदार हैं और रूस से तेल खरीद के मामले में चीन के बहुत करीब हैं।''

ट्रंप ने शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए

ट्रंप ने रूस से तेल खरीद जारी रखने पर भारत से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के शासकीय आदेश पर बुधवार को हस्ताक्षर किए थे। इसके साथ ही भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगने वाला शुल्क अब बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है, जो कि किसी भी देश पर अमेरिका द्वारा लगाए गए सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह ही भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी जो सात अगस्त से प्रभावी हो गया है।

अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 21 दिनों बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा

अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 21 दिनों बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा।

'हम हमेशा साथ रहेंगे...', आईपीएल से संन्यास की चर्चाओं के बीच धोनी ने सीएसके के लिए लुटाया प्यार

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के आईपीएल से संन्यास को लेकर चर्चाओं का बाजार हमेशा गर्म रहता है। लेकिन धोनी ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उनकी नजदीकियां इस फ्रेंचाइजी के साथ काफी गहरी हैं। धोनी ने आईपीएल के अगले सीजन में खेलने को लेकर अभी रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान फैंस को आश्वस्त किया कि उनके खेल करियर में आगे चाहे जो भी हो, उनका दिल हमेशा सीएसके के लिए धड़कता रहेगा।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

धोनी के बिना कोई सीएसके नहीं है यह वाक्यांश अक्सर प्रशंसकों के बीच सुना जाता है और धोनी खुद भी इस भावना को दोहराते हुए प्रतीत होते हैं। 44 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पुष्टि की कि सीएसके फ्रेंचाइजी के साथ उनका संबंध एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में उनके समय से परे भी बना रहेगा। कुछ दिनों पहले धोनी ने चेन्नई में आयोजित एक निजी कार्यक्रम को संबोधित किया था जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। धोनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास निर्णय लेने के लिए बहुत समय है, लेकिन यदि आप पीली जर्सी में वापसी के बारे में पूछ रहे हैं तो मैं कहूंगा कि मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है। मैं और सीएसके हम साथ हैं। आपको पता है, अगले 15–20 साल तक भी ऐसा रहेगा।

शुरुआत से ही सीएसके का हिस्सा हैं धोनी

धोनी 2008 में आईपीएल के शुरुआत से ही सीएसके का हिस्सा हैं। धोनी ने सीएसके की कप्तानी छोड़ दी है, लेकिन आईपीएल 2025 में नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के

चोट के कारण बाहर होने की वजह से धोनी ने कमान संभाली थी। हालांकि, पांच बार की चौंपियन सीएसके के लिए आईपीएल का पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा था और टीम 14 में से सिर्फ चार मैच ही जीत सकी थी। सीएसके अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी जो उसका टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे खराब प्रदर्शन में से एक है। लेकिन धोनी की उपस्थिति से सीएसके के ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा बनी रही और फैंस का भी टीम को जोरदार समर्थन मिलता रहा।

धोनी के आईपीएल से संन्यास की चर्चा पिछले कुछ सीजन से लगातार चलती रही है। कई क्रिकेट पंडितों का मानना था कि धोनी आईपीएल 2024 के बाद इस टूर्नामेंट को अलविदा कह देंगे, लेकिन धोनी ने घुटने की सर्जरी के बावजूद मैदान पर वापसी की और आईपीएल 2025 में एक बार फिर पीली जर्सी में नजर आए। धोनी ने आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह आईपीएल 2026 में मैदान पर उतरेंगे या नहीं, लेकिन उन्होंने ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तान के रूप में वापसी का समर्थन किया है।

भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित

कोंस्टास और मैकस्वीनी को मौका

सिडनी। भारत ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मुकाबलों के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमों के बीच अगले महीने दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम में सैम कोंस्टास और नाथम मैकस्वीनी को भी शामिल किया गया है जिन्होंने इस साल भारत के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट डेब्यू किया था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था निराश

कोंस्टास ने पिछली भारत–ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ में मैकस्वीनी की जगह ली थी, लेकिन शीर्ष क्रम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए। कैरेबियाई दौरे में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जबकि उनकी टीम ने वेस्टइंडीज पर पूरी तरह से दबदबा बनाया था। 19 वर्षीय कोंस्टास एकमात्र मौजूदा टेस्ट खिलाड़ी हैं जिन्हें श्एश टीम में शामिल किया गया है, जबकि अन्य कैप्ड खिलाड़ियों में मैकस्वीनी, कूपर कोनोली और स्पिनर टॉड मर्फी शामिल हैं। कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में डेब्यू पर चमक बिखेरी थी और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया था। इस दौरान उनकी विराट कोहली से भिड़ंत भी हो गई थी और दोनों के बीच बहस भी हुई थी। अंतिम एकादश में जगह नहीं बना पाने के कारण उन्हें श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से शेफील्ड शील्ड में खेलने के लिए वापस भेज दिया गया था। मर्फी ने अब तक सात टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से चार मैच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2022–23 में खेले। उस सीरीज में मर्फी ने 14 विकेट लिए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 1–2 से सीरीज गंवा दी थी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, यह उपमहाद्वीप कई अनूठी चुनौतियां और बल्ले तथा गेंद से विभिन्न कौशल का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि इन परिस्थितियों के लगातार अनुभव से खिलाड़ियों को भविष्य के उपमहाद्वीपीय दौरों के लिए अपने खेल की प्रभावी पद्धति और समझ विकसित करने में मदद मिलेगी।

सीरीज का कार्यक्रम

लाल गेंद वाली टीम में जेसन संघा की कमी खल रही है, जिन्होंने पिछले महीने डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ नाबाद 202 रन बनाए थे और मैथ्यू रेनशॉ, जिन्हें भी भारत में टेस्ट खेलने का अनुभव है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमों के बीच 16 से 19 सितंबर और 23 से 26 सितंबर तक लखनऊ में दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे, जबकि 30 सितंबर, तीन अक्तूबर और पांच अक्तूबर को तीन वनडे मैच होंगे।

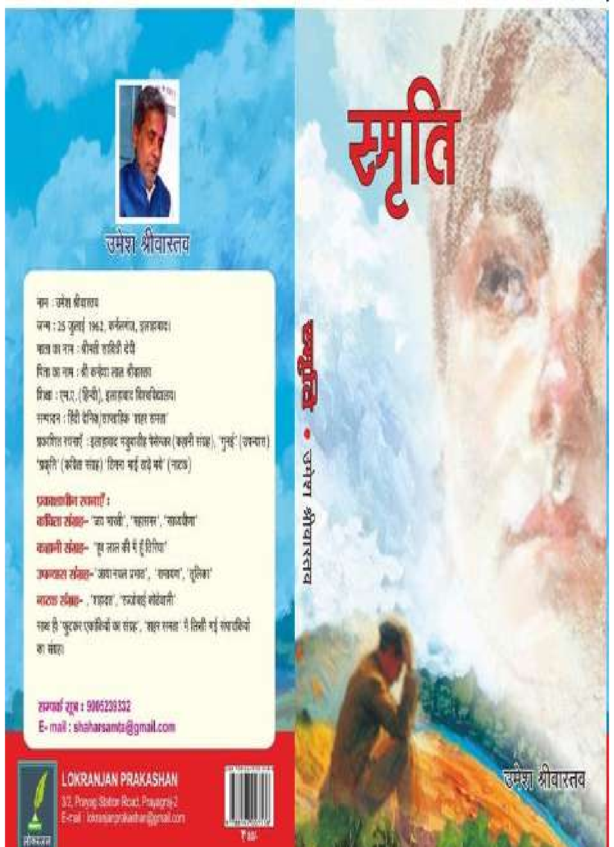

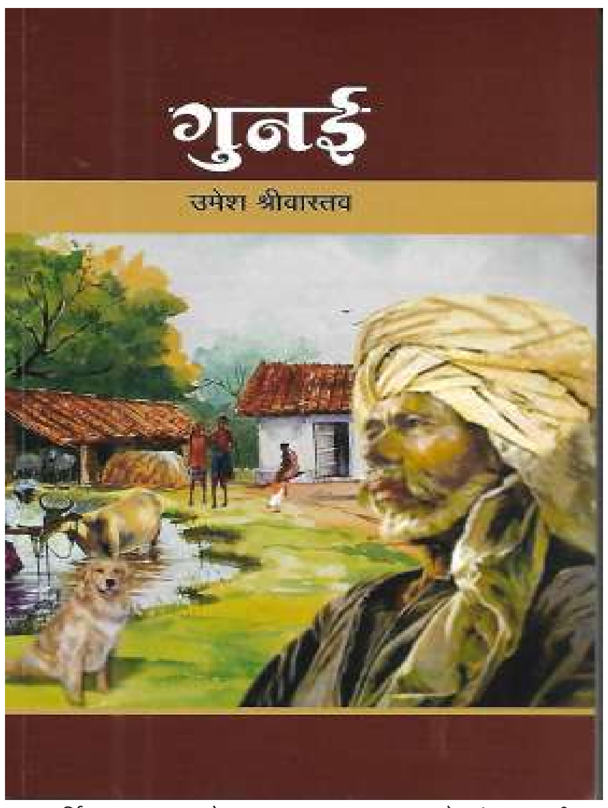

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

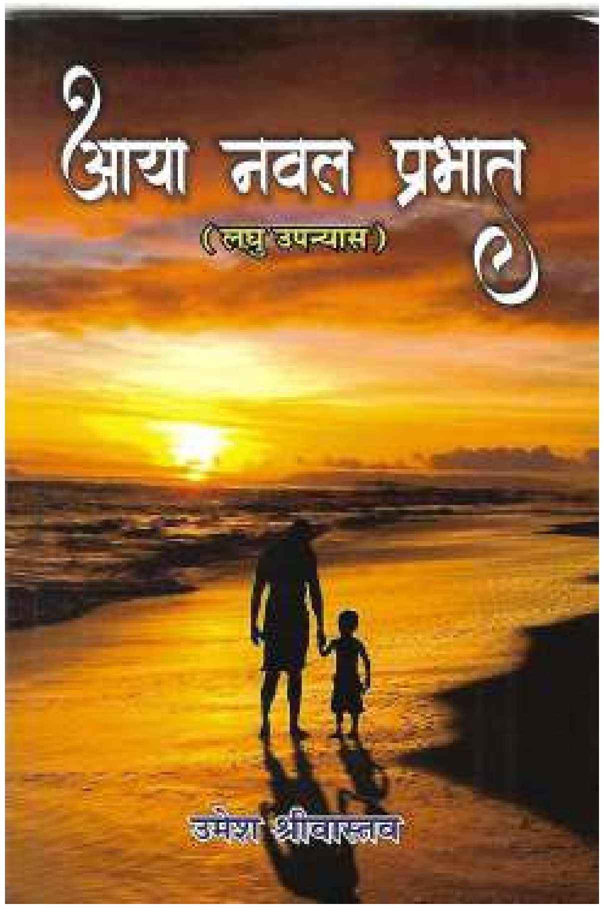

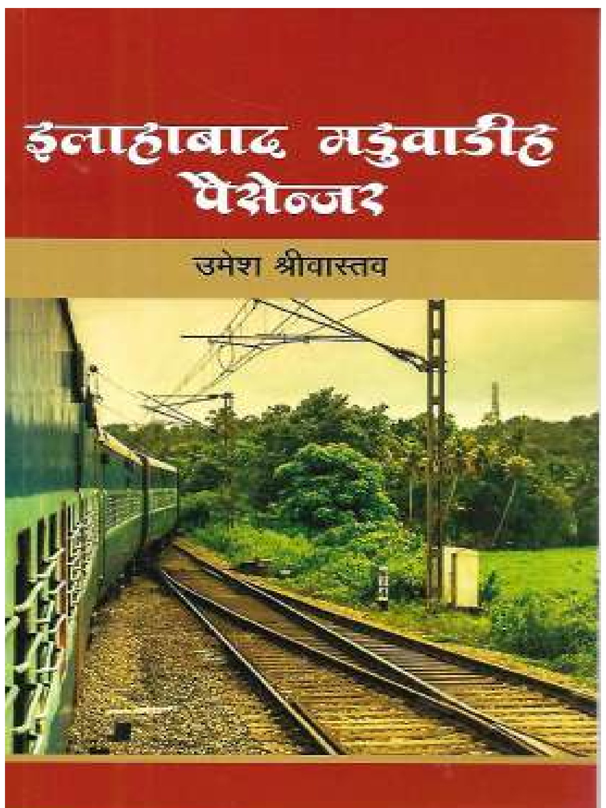

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

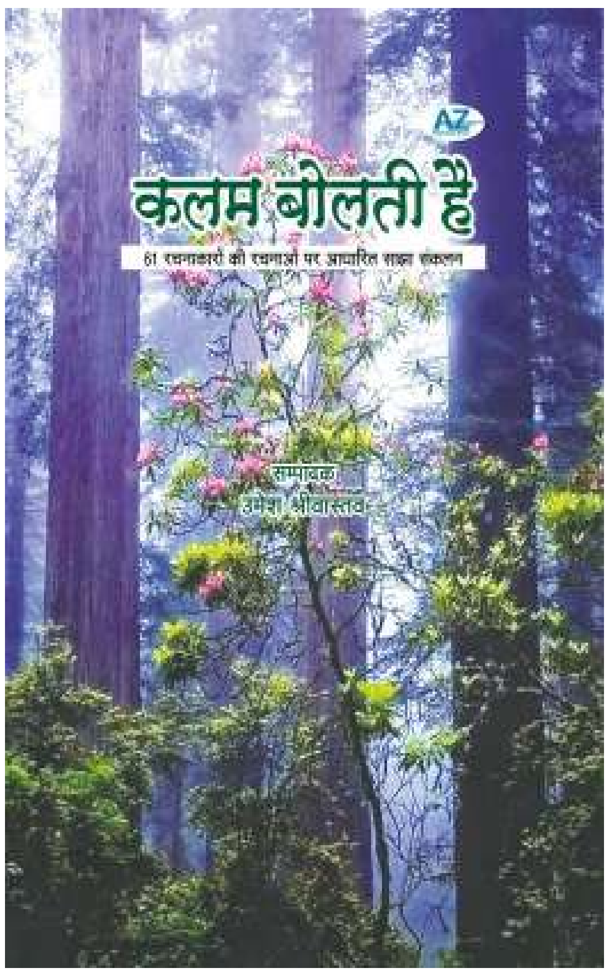

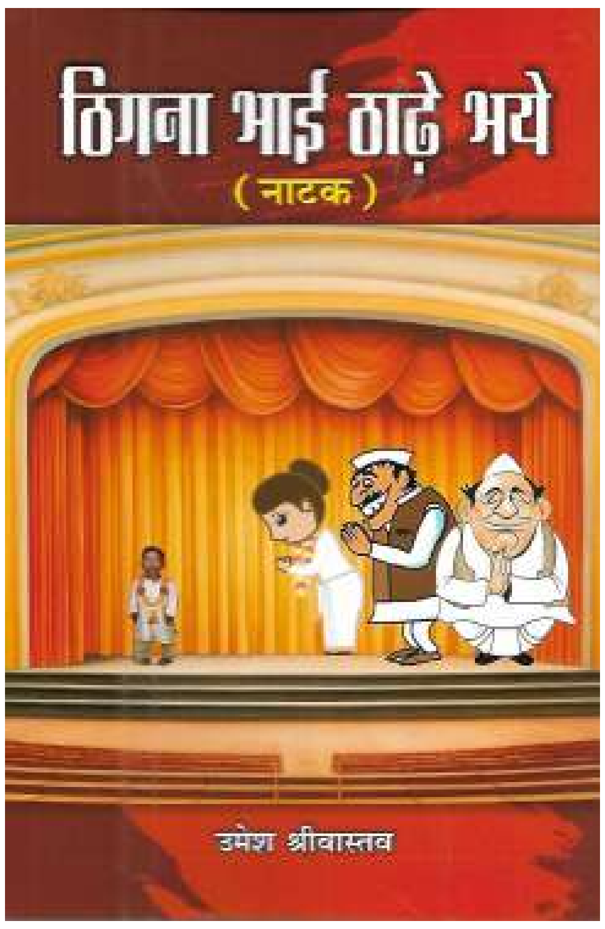

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत के लिए रूस की यात्रा पर

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के मद्देनजर रूस के दौरे पर हैं। डोभाल की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही

है जब पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत के अमेरिका से संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक कार्यकारी आदेश जारी कर रूसी तेल की निरंतर खरीद के लिए दंड के रूप में भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगा दिया। अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने से भारत पर लगाया गया कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। डोभाल की मास्को यात्रा से परिचित व्यक्तियों ने बताया कि रूसी अधिकारियों के साथ उनकी बातचीत में द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों के साथ–साथ रूसी कच्चे तेल पर पश्चिमी प्रतिबंधों को लेकर भी चर्चा होगी।

नासा के दो मिशन को बंद कर रहा है ट्रंप प्रशासन, वैज्ञानिकों ने जतायी चिंता

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन अंतरिक्ष एजेंसी नासा के दो मिशन को बंद करने की दिशा में बढ़ रहा है जो ग्रीनहाउस गैस और पौधों की सेहत की निगरानी से जुड़े हैं। ट्रंप प्रशासन के इस कदम से वैज्ञानिकों, नीति–निर्माताओं और किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण डेटा स्रोत बंद हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति के वित्त वर्ष 2026 के बजट प्रस्ताव में 'ऑर्बिटिंग कार्बन ऑब्जर्वेटरी' मिशनों के लिए कोई धनराशि शामिल नहीं है। ये मिशन सटीक रूप से दिखा सकते हैं कि कार्बन डाइऑक्साइड कहां उत्सर्जित और अवशोषित हो रही है तथा फसलें कितनी अच्छी तरह से बढ़ रही हैं। नासा ने बुधवार को ईमेल पर भेजे एक बयान में कहा कि इन्हें ''राष्ट्रपति के एजेंडे और बजट प्राथमिकताओं के अनुरूप'' समाप्त किया जा रहा है। इस बीच, नासा के एक सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डेविड क्रिस्प ने कहा कि इन मिशनों में इस्तेमाल की गयी तकनीक अब भी दुनिया की किसी भी मौजूदा या प्रस्तावित प्रणाली की तुलना में अधिक संवेदनशील और सटीक है। ये एक ''राष्ट्रीय संपत्ति'' हैं जिन्हें बचाया जाना चाहिए। क्रिस्प के अनुसार, इन मिशनों की मदद से वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया कि अमेजन वर्षावन जितना कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करता है, उससे अधिक उत्सर्जित करता है, जबकि कनाडा, रूस और उन क्षेत्रों (जहां बर्फ पिघल रही है) के बोरियल वन अधिक अवशोषण करते हैं।

जॉर्जिया के फोर्ट स्टीवर्ट सैन्य ठिकाने में सैनिक ने ही पांच साथियों को गोली मारी

अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य ठिकानों में से एक जॉर्जिया राज्य स्थित फोर्ट स्टीवर्ट में बुधवार को सेना के एक सार्जेंट ने पांच सैनिकों को गोली मार दी और कुछ समय के लिए इस ठिकानें को बंद करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अमेरिकी अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया किसंदिग्ध हमलावर सेना में ही सार्जेंट है। सेना ने कहा कि वह गोलीबारी के मामले की जांच कर रही है। अब भी कई सवालों के जवाब नहीं मिले पाये हैं, जिनमें सैनिकों की हालत, उनकी चोटों की गंभीरता, हमलावर का नाम और संभावित मकसद शामिल हैं। सैन्य ठिकाने के अधिकारियों ने फेसबुक पोस्ट में बताया कि घायलों का प्राथमिक उपचार करने के बाद विन्न आर्मी कम्युनिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रवक्ता ब्रायना गॉर्डन ने बताया कि कुछ घायलों को सवाना स्थित मेमोरियल हेल्थ यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर भी ले जाया गया है। यह अस्पताल तटीय जॉर्जिया का शीर्ष स्तरीय ट्रॉमा सेंटर है। गॉर्डन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि कितने लोगों को अस्पताल ले जाया जा रहा है या उनकी हालत क्या है।

मोदी के लिए पुतिन ने वो किया जिसके इंतजार में था भारत, अजीत डोभाल ने किया खुलासा, सुनकर बौखला उठेंगे ट्रंप

रूस ने पहली बार ऐसा ऐलान किया है जो अमेरिका के खिलाफ भारत को मजबूती देगा। रूस ने ये ऐलान करके भारत और दुनिया को अकड़ दिखा रहे ट्रंप का सही इलाज किया है। पुतिन के इशारे पर रूस ने ये ऐलान तब किया है जब डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत को धमका रहे हैं और रूस से तेल खरीद पर टैरिफ ठोक रहे हैं। लेकिन आखिर वक्त में पुतिन ने पूरा खेल ही पलट दिया। सबसे पहले तो रूस ने कहा कि ये भारत का अधिकार है कि वो किससे तेल खरीदना चाहता है। लेकिन इसके बाद भारत और रूस को कोस रहे अमेरिका के खिलाफ पुतिन ने पहली बार परमाणु जंग का रास्ता खोल दिया है। पुतिन का अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप पर ऐसा हमला है जिसका इंतजार सभी को होगा। इसके बाद अब मॉस्को से एक और बड़ा ऐलान हो गया है, जिसे सुनकर ट्रंप बौखला उठेंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही भारत दौरे पर आएँगे। मॉस्को में मौजूद डोभाल ने तारीखों का ज़िक्र नहीं किया, लेकिन इंटरफ़ैक्स समाचार एजेंसी के अनुसार, यह दौरा अगस्त के अंत में होने की संभावना है। एनएसए डोभाल ने कहा कि हमारे बीच एक विशेष, दीर्घकालिक संबंध रहा है और हम इस संबंध को महत्व देते हैं। हमारे बीच उच्च–स्तरीय संपर्क रहे हैं और इन उच्च–स्तरीय संपर्कों ने बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के बारे में जानकर हम बहुत उत्साहित और प्रसन्न हैं। मुझे लगता है कि अब तारीखें लगभग तय हो चुकी हैं। यह यात्रा रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों को लेकर नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद को लेकर भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है। अमेरिका ने यह भी धमकी दी है कि अगर मास्को शुक्रवार तक यूक्रेन में युद्ध, जो अब अपने चौथे वर्ष में है, रोकने के लिए सहमत नहीं होता है, तो वह रूसी तेल खरीदारों पर द्वितीयक शुल्क लगाएगा। क्रेमलिन ने गुरुवार को कहा कि पुतिन आने वाले दिनों में ट्रंप से भी मिलेंगे। रूसी राष्ट्रपति के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि दोनों पक्ष एक बैठक की तैयारी में जुटे हैं और बैठक के लिए स्थान पर सहमति बन गई है, जिसकी घोषणा बाद में की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से रूस के साथ भारत के संबंधों पर की गई टिप्पणियों की वजह से ये यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। 06 दिसंबर 2021 में भारत की यात्रा की थी। तब वे सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें मिलिट्री और तकनीकी समझौते शामिल थे। दोनों देशों ने 2025 तक 30 अरब डॉलर (2 लाख 53 हजार करोड़ रुपए) सालाना ट्रेड का टारगेट रखा था। फरवरी 2022 में यूक्रेन वॉर शुरू होने के बाद यह पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। इस विजिट से दोनों देशों के बीच 2030 के लिए नए आर्थिक रोडमैप को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। पीएम मोदी ने साल 2024 में दो बार रूस की यात्रा की थी।

अमेरिका 32.5 करोड़ डॉलर की रूसी सुपरयाट अमाडिया की कर रहा नीलामी

यूक्रेन पर आक्रमण के बाद की थी जब्त

वाशिंगटन। अमेरिका एक बहुत ही महंगी लग्जरी सुपरयाट अमाडिया की नीलामी कर रहा है, जिसकी कीमत 32.5 करोड़ डॉलर है। यह सुपरयाट रूस की है। अमेरिका ने इसे यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद जब्त कर लिया था। यह पहली रूसी सुपरयाट है, जिसे अमेरिका अब बेच रहा है। यह नीलामी 10 सितंबर तक चलेगी। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध समाप्त करने का दबाव बना रहे हैं। अमेरिका ने कहा है कि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर रूस के अमीर लोगों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, जिनमें से कुछ राष्ट्रपति पुतिन के करीबी हैं और उनकी सुपरयाट जब्त कर ली गई हैं। अमेरिका चाहता है कि वे पुतिन को युद्ध रोकने के लिए मजबूर करें।

348 फीट लंबी याट में आठ राजकीय कक्ष

रूसी सुपरयाट अमाडिया को अमेरिका ने तीन साल पहले जब्त किया था। यह याट वर्तमान में सैन डिएगो में खड़ी है, जो 348 फीट लंबी है। इस याट का निर्माण जर्मन कंपनी लुर्सेन ने 2017 में विशेष रूप से किया था। इस सुपरयाट को फ्रांस्वा जुरेट्टी ने डिजाइन किया था। इसका अंदर का हिस्सा संगमरमर का है। इस याट में आठ राजकीय कक्ष, एक ब्यूटी सैलून, एक स्पा, एक जिम, एक हेलीपैड, एक स्वीमिंग पूल और एक लिफ्ट है। इसमें 16 मेहमानों और 36 चालक दल के सदस्यों के रहने की व्यस्था है।

याट का असली मालिक कौन?

अमेरिका द्वारा जब्त की गई अमाडिया का असली मालिक कौन है, यह अभी साफ नहीं है। यह केमैन द्वीप में स्थित मिलमारिन इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर्ड है। अमेरिका का कहना है कि याट के असली मालिक अर्थशास्त्री और पूर्व रूसी राजनेता सुलेमान केरीमोव हैं, जिन पर 2018 से अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। लेकिन सरकारी नियंत्रण वाली रूसी तेल और गैस कंपनी रोसनेफ्ट के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एडुआर्ड खुदैनाटोव इस याट के मालिक होने का दावा कर रहे हैं।

अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि खुदैनाटोव इस याट के एक छद्म मालिक हैं, जिनका उद्देश्य याट के असली मालिक केरीमोव को छिपाना है। खुदैनाटोव इस याट की जब्ती के खिलाफ कोर्ट में अपील कर रहे हैं। उनके वकील एडम फोर्ड का कहना है कि याट की नीलामी गलत है और इसका कानूनी रूप से विरोध किया जाएगा।

क्या ट्रंप आने वाले दिनों में पुतिन से मिलेंगे? क्रेमिलन का आया इस पर जवाब

आने वाले दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक पर सहमति बन गई है। एपी की रिपोर्ट में पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव का हवाला दिया गया है, जिन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इसे स्थापित करने पर काम कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि बैठक के लिए स्थल पर सहमति बन गई है और बाद में इसकी घोषणा की जाएगी। इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए व्हाइट हाउस लौटने के बाद से पुतिन और ट्रंप के बीच यह पहली मुलाकात होगी। हालांकि, क्रेमलिन ने गुरुवार को यह भी कहा कि उसने पुतिन, ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की त्रिपक्षीय बैठक पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह एक ऐसी बैठक थी जिसका प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को यात्रा के दौरान रखा था। समाचार एजेंसी एएफपी ने क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव के हवाले से राज्य समाचार एजेंसी टीएएसएस का हवाला देते हुए कहा कि इस विकल्प का उल्लेख अमेरिकी प्रतिनिधि (स्टीव विटकॉफ) ने क्रेमलिन में बैठक के दौरान किया था। लेकिन इस विकल्प पर विशेष रूप से चर्चा नहीं हुई। रूसी पक्ष ने इस विकल्प पर कोई टिप्पणी नहीं की। ये बैठकें रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम कराने और तीन साल से ज़्यादा पुराने युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, फरवरी 2022 में पूर्ण पैमाने पर युद्ध शुरू होने के बाद से, अग्रिम पंक्ति के पीछे के शहरी इलाकों पर रूस के आक्रमण में 12,000 से ज़्यादा यूक्रेनी नागरिक मारे गए हैं। उत्तर–पूर्व से दक्षिण–पूर्व यूक्रेन तक फैली 1,000 किलोमीटर (620 मील) लंबी अग्रिम पंक्ति पर, जहाँ दोनों पक्षों के दसियों हज़ार सैनिक मारे गए हैं, रूस की बड़ी सेना धीरे–धीरे और ज़मीन पर कब्ज़ा कर रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

असीम मुनीर संग मिलकर ट्रंप रच रहे कौन सी बड़ी साजिश? 2 महीने के अंदर लगेगी यूएस की सेकंड ट्रिप

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस सप्ताह के अंत में सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल माइकल ई. कुरिल्ला के विदाई समारोह में शामिल होने के लिए संभवतः अमेरिका (यूएस) का दौरा करेंगे।

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष के बाद मुनीर की यह दूसरी अमेरिका यात्रा होगी। कुरिला की विदाई संभवतः फ्लोरिडा के टाम्पा स्थित सेंटकॉम मुख्यालय में होगी।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा
कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज,
विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई
लूकरगंज, इलाहाबाद से
मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज
इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227